गैरसैंण,सोमवार
12 मई 2025
वर्षः 17
अंकः 21 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक: स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

गर्मी से निजात पाने के लिए गंगा घाटों पर उमड़े लोग

ऋषिकेश। उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में गर्मी का सितम जारी है। चिलचिलाती धूप के चलते तापमान लगातार बढ़ रहा है। रात में बारिश और दिन तेप धूप ने उमस बढ़ा दी है। ऐसे में लोग गंगा और अन्य जलस्त्रोतों का सहारा लेते दिख रहे हैं। ऋषिकेश में रविवार को अधिकत्तम तापमान 35 डिग्री रहा। सुबह से ही तेज धूप ने यहां लोगों को गर्मी से परेशान किया। ऐसे में क्षेत्र के लोग और पर्यटक गंगा घाटों में स्नान करते दिखे और अपने आप को ठंडक पहुंचाते रहे। वहीं आसपास के वाटर फॉल में भी लोगों की भीड़ रही। ऋषिकेश का त्रिवेणी घाट, साईं घाट, दयानंद घाट आदि जगहों पर दिन भर लोगों की भीड़ रही। वहीं नीलगड्डु स्थित वाटर फॉल, पटना वाटर फॉल व अन्य जगहों पर बह रहे झरनों में लोग आनंद लेते दिखे। बीते दो तीन दिनों से दिन में तेज धूप और शाम के बाद बारिश के चलते उमस भी देखने को मिल रही है। जिससे राहत के लिए लोग जल स्त्रोतों का सहारा ले रहे हैं।

बदरीनाथ में यातायात नियमों तोड़ने वालों का चालान

चमोली। चमोली यातायात पुलिस और चौकी पीपलकोटी ने बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार को यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया। बदरीनाथ हाईवे पर कौडिया के पास चलाए गए इस अभियान में नियमों का उल्लंघन करते पाए गए कुल 44 वाहनों का चालान किया गया। इन वाहनों से कुल 34,500 रुपये का संयोजन शुल्क (जुर्माना) भी वसूला गया है। यातायात पुलिस व चौकी पीपलकोटी द्वारा चलाए गए इस चेकिंग अभियान में मुख्य रूप से ओवर स्पीडिंग, वाहनों पर ब्लैक फिल्म का उपयोग और रैश ड्राइविंग जैसे गंभीर उल्लंघनों पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह कार्रवाई यातायात उपनिरीक्षक योगेश सक्सेना, यातायात उनि दिगंबर उनियाल और उपनिरीक्षक लक्ष्मी प्रसाद बिजल्वाण के नेतृत्व में की गई।

हनोल के पास नदी में बहा युवक

उत्तरकाशी। मोरी तहसील मुख्यालय से 15 किमी दूर स्थित हनोल मंदिर के पास रविवार सुबह पैर फिसलने के कारण एक युवक टौंस नदी में बह गया। काफी खोजबीन के बाद भी युवक का कोई पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार मोरी के जखोल गांव का दिनेश पुत्र हरिपाल रविवार सुबह साढ़े 6 बजे हनोल मंदिर के दर्शन के लिए गया था। इस दौरान वह टौंस नदी के हाथ पांव धोने गया।

जहां उसका पैर फिसल गया और वह टोंस नदी में गिर गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना मोरी पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस, एसडीआरएफ की टीम सर्च अभियान में जुटी है। लेकिन देर शाम तक युवक का पता नहीं चल सका।

1971 जैसे नहीं हैं 2025 के हालात, दोनों युद्ध के मकसद अलग –बोले शशि थरूर

नई दिल्ली ,भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कई दिनों से तनाव चल रहा है. दोनों देशों के बीच जंग के हालात बने हैं. हालांकि, 10 मई को शाम पांच बजे के बाद सीजफायर का ऐलान कर दिया गया था. बावजूद इसके पाकिस्तान ने गोलीबारी की. हालांकि, इंडियन आर्मी ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया. सीजफायर के बाद से देश में अलग–अलग बयान आ रहे हैं. कोई सीजफायर का समर्थन कर रहा है तो कोई विरोध. इस बीच, कांग्रेस सांसद शशि थरूर का एक बयान सामने आया है, जो चर्चा का विषय बन गया है. कांग्रेस सांसद ने कहा कि शांति जरूरी है. मैं सीजफायर से बहुत खुश हूं.

भारत लंबे वक्त तक युद्ध कभी नहीं चाहता था. भारत आतंकवादियों को सबक सिखाना चाहचा था. मेरा मानना है कि उसे सबक सिखाया जा चुका है. उन्होंने कहा कि हम उस स्थिति मं पहुंच गए थे, जहां तनाव नियंत्रण से बाहर हो गया था. हमारे लिए शांति जरूरी है. सच ये है कि 1971 की परिस्थितियां 2025 की परिस्थिति नहीं है. ये युद्ध ऐसा नहीं था, जिसे हम जारी रखना चाहते थे. हम सिर्फ आतंकवादियों को सबक सिखाना चाहते थे और वह सबक सिखाया जा चुका है. थरूर ने उम्मीद जताई कि भारत पहलगाम हमले के आतंकियों को कड़ी से कड़ी सजा देगी.

पीएम मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक

● रक्षा मंत्री और एनएसए समेत तीनों सेनाओं के प्रमुख रहे मौजूद

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने आवास पर शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्च–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद रहे। यह बैठक पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनावपूर्ण शांति के बीच हुई, जहां फिलहाल संघर्ष विराम के उल्लंघन की कोई नई घटना सामने नहीं आई है। दरअसल, शनिवार को पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, लेकिन रात में शांति रही। इससे पहले, पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का पालन करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संघर्ष विराम की घोषणा की थी और नई दिल्ली ने कहा कि भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बना ली है।

इस बीच, विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखा है और ऐसा करना जारी रखेगा। हालांकि, पाकिस्तान ने भारत के कड़े जवाब के बाद अमेरिका से शांति की मध्यस्थता की मांग की थी। इसके बाद उसने भी संघर्ष विराम की घोषणा की, लेकिन बाद में फिर से उल्लंघन किया। भारत ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल भेजना बंद कर दिया।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के आगे कूदकर महिला–पुरुष ने की आत्महत्या

हरिद्वार। हरिद्वार में एक महिला और पुरुष ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सेक्टर–2 बैरियर के पास हुई, जिससे आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल पुलिस दोनों की शिनाख्त के प्रयास कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला और पुरुष काफी देर से रेलवे ट्रैक के पास टहल रहे थे। जैसे ही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेक्टर–2 के नजदीक पहुंची तो दोनों अचानक रेलवे ट्रैक पर कूद गए। ट्रेन की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी मौके पर पहुंची। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया। जांच में घटनास्थल के आसपास कोई पहचान पत्र या सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे शवों की पहचान नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे आत्महत्या का मामला बता रही है। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह पता चल सके कि दोनों कहां से आए थे और किस उद्देश्य से ट्रैक के पास पहुंचे थे।

गंगोत्री–यमुनोत्री में दर्शनों को उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

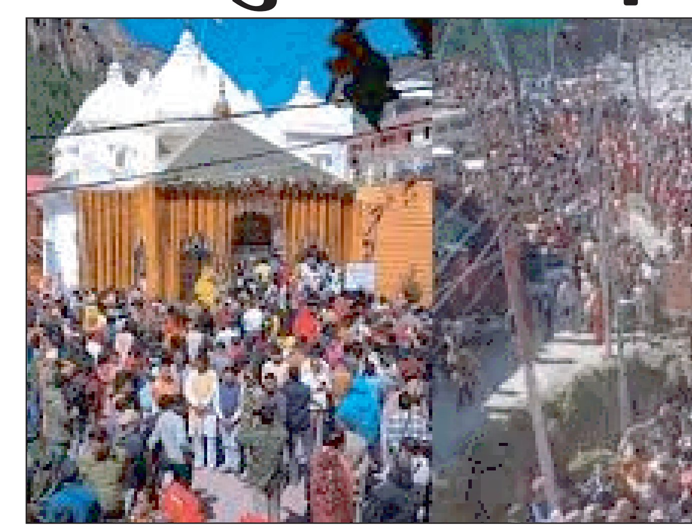

उत्तरकाशी। जिले में हो रही बारिश के बीच चारधाम यात्रा में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रियों की संख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। 12 दिन की यात्रा में अब तक दोनों धामों में 1,86,119 श्रद्धालु दर्शन कर लौट चुके हैं। वहीं यात्रियों की बढ़ती संख्या पर तीर्थ पुरोहितों ने भी खुशी व्यक्त की है। 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर्व पर गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए थे। इसके बाद से तीर्थयात्री बड़ी संख्या में धामों के दर्शनों को पहुंचने लगे है। यात्रा को महज अभी 12 दिन ही हुए हैं कि शनिवार रात तक गंगोत्री यमुनोत्री धाम में 101734 तथा गंगोत्री धाम में 84385 तीर्थयात्री दर्शन कर लौट चुके हैं। जानकारों के अनुसार मैदानी इलाकों की भीषण गर्मी के मुकाबले जनपद में बारिश के कारण मौसम खुशगवार बना हुआ है। जबकि अभी सभी स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां होनी शेष है। ऐसे में आने वाले एक माह तक यात्रियों की संख्या में काफी इजाफा हो सकता है। यात्रा कारोबारियों व तीर्थपुरोहितों ने यात्रियों की रिकॉर्ड संख्या पर खुशी जाहिर की है। गंगोत्री धाम के तीर्थ पुरोहित राजेश सेमवाल, माधव सेमवाल ने बताया कि गंगोत्री धाम में रविवार को बारिश हो रही है। बाबजूद श्रद्धालुओं में उत्साह बना है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगोत्री, यमुनोत्री धाम के दर्शन को पहुंच रहे हैं। उधर, डीएम डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने कहा कि दोनों धामों में यात्रा सुगम और व्यवस्थित रूप से संचालित हो रही है। तीर्थयात्रियों के लिए दोनों धामों और यात्रा मार्गों पर सभी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। यात्रियों की सुरक्षा, सुगमता और सुव्यवस्था के लिए प्रशासन तत्पर है।

मुख्यमंत्री ने 12.51 करोड़ की लागत से हरबंश कपूर मेमोरियल कम्युनिटी हॉल का किया लोकार्पण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को निकट छावनी परिषद कार्यालय, गढ़ीकैंट में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 12.51 करोड़ की लागत से निर्मित हरबंश कपूर मेमोरियल कम्युनिटी हॉल का लोकार्पण किया।

उचित दरों पर आमजन को उपलब्ध हो सके सामुदायिक भवन

मुख्यमंत्री ने स्व. हरबंस कपूर को नमन करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राज्य और देहरादून की सेवा, विकास एवं जनकल्याण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने जीवनभर, जनसेवा को प्राथमिकता दी। अपने व्यवहार से उन्होंने प्रत्येक नागरिक के दिल में विशेष जगह बनाई। मुख्यमंत्री ने कहा एमडीडीए द्वारा 12 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से निर्मित ये सामुदायिक भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। कम्युनिटी हॉल के बनने से क्षेत्र के लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा, एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए भी सामाजिक आयोजनों का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने एम.डी.डी.ए. को सामुदायिक भवन के संचालन के लिए एस.ओ.पी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा ऐसी व्यवस्था बनायी जाए कि यह सामुदायिक भवन उचित दर पर आमजन को आसानी से उपलब्ध हो सके।

भारत की सेना ने दुश्मन की नापाक हरकतों का दिया करारा जवाब

मुख्यमंत्री ने देश की सेना के शौर्य का जिक्र करते हुए कहा कि सेना ने अदम्य साहस, पराक्रम और रणनीति से पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है। हमारे सशस्त्र बलों ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान में स्थित आतंकियों के ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। भारत की सेना ने दुश्मन की नापाक हरकतों का करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नीति के कारण आतंकवाद के खिलाफ सशक्त कार्रवाई हुई है। प्रधानमंत्री ने हमेशा मानवता पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा केंद्र और राज्य सरकार राष्ट्र प्रथम की नीति पर चलती है। हमारे लिए राष्ट्र सबसे प्रथम है। उन्होंने कहा देश के जवान सरहदों पर मां भारती की सुरक्षा के लिए खड़े हैं। सेना का साहस अद्भुत है।

राज्य में सरकारी नौकरियां देने का शिलशिला रहेगा जारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार, उत्तराखंड के समग्र विकास हेतु निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य हर क्षेत्र में काम हो रहा है। राज्य में युवाओं को रोजगार देने में सारे रिकॉर्ड तोड़े गए हैं। बीते 3 सालों में 23 हजार से अधिक सरकारी नौकरियों में नियुक्तियां युवाओं को दी गई हैं,

महिला की मौत

रुद्रपुर। शादी समारोह में गई महिला की शनिवार शाम स्कार्पियो कार की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। वहीं मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। शनिवार को उत्तराखंड की सीमा से सटे रमनगरा में न्यूरिया जिला पीलीभीत से बारात आई थी। इसी शादी समारोह में शामिल होने रमनगरा निवासी 45 वर्षीय रेनुका हालदार पत्नी स्व सुरंजन हालदार भी पहुंची थीं। शादी होने के बाद देर शाम बारात विदा हो रही थी। इसी बीच बारात में आई एक स्कार्पियो कार की चपेट मे आने से रेनुका गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने उन्हें उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन महिला को नगर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। परिजन मृतका को उप जिला चिकित्सालय पुनः लेकर आए। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया।

केदारनाथ यात्रा को लेकर तीर्थयात्रियों में भारी उत्साह

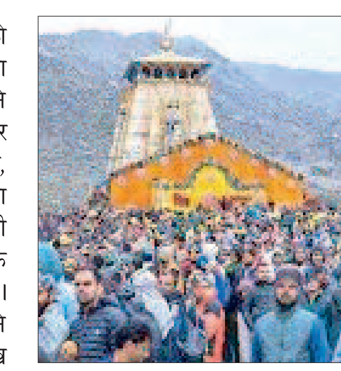

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम की यात्रा को लेकर तीर्थयात्रियों में उत्साह है। बड़ी संख्या में यात्री बाबा केदार के दर्शनों को पहुंचने लगे हैं। तीर्थपुरोहितों द्वारा भी धाम पहुंचने पर यात्रियों को स्वागत किया जा रहा है। इधर, गौरीकुंड से डंडी–कंडी की बेहतर सुविधा के साथ ही अब घोड़े–खच्चरों का भी संचालन होने लगा है। प्रशासन ने कहा कि यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं की गई है। 2 मई को केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद से एक सप्ताह के भीतर ही दो लाख से अधिक यात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। प्रशासन ने कहा कि कुल लोग सस्ती लोकप्रियता के लिए सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। धाम के तीर्थ पुरोहितों ने इस पर आक्रोश जताते हुए कड़ा विरोध दर्ज किया है। उन्होंने धाम एवं यात्रा के बारे में फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान न देते हुए बाबा केदारनाथ धाम में तीर्थयात्रियों का स्वागत किया है। केदारनाथ में टोकन सिस्टम होने से यात्री आराम से दर्शन कर रहे हैं। धाम में प्रतिदिन 30 हजार तीर्थयात्रियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। केदारनाथ के लिए वर्तमान में गौरीकुंड से डंडी कंडी की बेहतर सुविधा है। जबकि घोड़े–खच्चरों का भी संचालन शुरू हो गया है। रविवार को 800 स्वस्थ घोड़े–खच्चरों को यात्री सुविधा में केदारनाथ भेजा गया है। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत रुद्रप्रयाग संजय कुमार ने बताया कि प्रतिदिन एक हजार से अधिक श्रद्धालु डंडी–कंडी से धाम पहुंच रहे हैं, जबकि करीब एक हजार डंडी– कंडी एवं पिट्ठू संचालक खाद्य एवं अन्य सामग्री की आपूर्ति में जुटे हुए हैं।

पुंछ, उधमपुर से बाड़मेर तक शांतिपूर्ण हालात

सरकार ने की फर्जी खबरों से सावधान रहने की अपील

श्रीनगर ,भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद जम्मू–कश्मीर और राजस्थान से सटे सीमावर्ती इलाके में हालात सामान्य हैं। रविवार सुबह जम्मू–कश्मीर के पुंछ, उधमपुर और राजस्थान के बाड़मेर में स्थिति शांतिपूर्ण रही। इस दौरान ड्रोन गतिविधि, गोलीबारी या गोलाबारी की कोई खबर नहीं है। इस बीच, जम्मू–कश्मीर सरकार ने रविवार को एक सार्वजनिक सलाह जारी की है, जिसमें नागरिकों से शांत रहने और सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले गलत दावों से बचने का आग्रह किया है। जम्मू और कश्मीर सरकार ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर कहा कि वह अपने नागरिकों की सहनशक्ति और भरोसे की सराहना करती है। सरकार सभी जरूरी कदम उठा रही है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। इस बीच, गलत सूचनाओं के बढ़ते खतरे को देखते हुए रक्षा मंत्रालय ने नागरिकों से वाट्सऐप पर फैल रही फर्जी खबरों से सावधान रहने और केवल विश्वसनीय स्त्रोतों पर भरोसा करने को कहा। मंत्रालय ने लोगों से अपने आधिकारिक वाट्सऐप चैनल को फॉलो करने की सलाह दी। रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, इन संवेदनशील समय में वाट्सऐप पर बहुत सी गलत सूचनाएं और फर्जी खबरें फैलाई जा रही हैं। सतर्क रहें और रक्षा मंत्रालय से संबंधित सटीक जानकारी के लिए हमारे वाट्सऐप चैनल को फॉलो करें। जम्मू और कश्मीर सरकार ने कहा कि लोगों को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिआओं (एसओपी) का पालन करना चाहिए।

मुंबई पुलिस ने ऑपरेशन सिंदूर पर विवादित पोस्ट करने वाले युवक को किया गिरफ्तार

मुंबई, , ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विवादित पोस्ट करने वाले लोगों के खिलाफ मुंबई पुलिस की कार्रवाई जारी है। महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के बाद ऐसे ही एक मामले में 20 वर्षीय युवक को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, मुंबई के कुर्ला इलाके में रहने वाले 20 वर्षीय एक युवक ने ऑपरेशन सिंदूर पर विवादित टिप्पणी की थी। आरोपी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें भारत के खिलाफ टिप्पणी की गई थी। मुंबई पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी का नाम साहिल जहरुद्दीन खान है। मुंबई पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले, मुंबई पुलिस ने ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने पर एक महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मुंबई पुलिस के मुताबिक, ह्यऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने पर मुंबई के मालवणी पुलिस स्टेशन ने एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बुद्ध पूर्णिमा का स्नान आज, शहर क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

हरिद्वार। हरिद्वार में आज यानी कि सोमवार होने वाले बुद्ध पूर्णिमा स्नान को लेकर पुलिस ने शहर क्षेत्र में सभी तरह के भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। स्नान समाप्ति तक भारी वाहनों पर रोक रहेगी। इसके अलावा भीड़ अधिक होने पर भारी वाहनों को बार्डर पर ही रोका जाएगा। इसके अलावा शहर में ललतारा पुल से शिवमूर्ति तक सभी प्रकार के वाहनों विक्रम, आटो रिक्शा और टैक्सी का आवागमन प्रतिबन्धित रहेंगे। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर्व में यातायात का दबाव बढ़ने पर नगलाइमरती से वाहनों को डायवर्ट कर बैरागी कैम्प पार्किंग, होर्डिंग एरिया में लाया जाएगा।

जहां से धीरे–धीरे करके वाहनों को छोड़ा जाएगा। चीला मार्ग को ऋशिकेष से केवल एक्जिट के लिए प्रयोग किया जाएगा। चंडीचौक पर यातायात का दबाव बढ़ने पर 4.2 डायवर्जन से वन–वे लागू किया जाएगा। सामान्य यातायात के दबाव में गुरुकुल कांगड़ी सर्विस लेन से सिंहद्वार होते हुए शंकराचार्य चौक की ओर भेजा जायेगा जिससे वाहनों का प्रवेश शहर में धीमा होगा। टोल प्लाजा पर वाहन की एक्जिट का दबाव बढने पर एक्जिट के लिए नहर पट्टी का प्रयोग किया जाएगा। यातायात का दबाव बढ़ने पर देहरादून, ऋषिकेश जाने वाली प्राइवेट बसों को मोहंड के रास्ते भेजा जाएगा। बाहर से आने वाले वाहनों के लिए यह व्यवस्था दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर और पंजाब से स्नान के लिए हरिद्वार आने वाले वाहनों के लिए हरिद्वार शंकराचार्य चौक से सीधा हरिद्वार आ पाएंगे। इन वाहनों की पार्किंग अलकनन्दा, दीनदयाल, पंतद्वीप और चमकादड़ टापू रहेगी। यातायात का अत्यधिक दबाव होने पर इन वाहनों को मंगलौर, नगलाइमरती से लक्सर होते हुए जगजीतपुर, एसएम तिराहा होते हुए शनिचौक से मातृसदन की पुलिया से होते हुए बैरागी कैंप में वाहन पार्क कराए जाएंगे। हरियाणा से आने वाले वाहनों का अत्यधिक दबाव बढने पर वाहनों का को सहारनपुर, मण्डावर, भगवानपुर, सालियर, बिजौली चैक से सहारनपुर बाईपास, छुटमलपुर बाईपास, बिहारीगढ़ मोहण्ड, देहरादून और ऋशिकेश होते हुए हरिद्वार लाया जाएगा। मुरादाबाद से नजीबाबाद से आने वाले वाहनों को नजीबाबाद, चिड़ियापुर, श्यामपुर होते हुए चंडी चौक आ सकेंगे।

बड़े वाहनों को 4.2 से डायवर्ट कर गौरीशंकर नीलधारा पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा। ऑटो और विक्रम के लिए यह रहेगी व्यवस्था बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर्व के दौरान ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाने पर समयानुकूल देहरादून, ऋषिकेश, रायवाला की तरफ से आने वाले विक्रम और आटो रिक्शा को फोरलेन जयराम मोड़ तक ही आने दिया जाएगा। जयराम मोड़ से आगे नहीं जायेंगे। यही पर सवारी उतार कर वापस जायेंगे।

दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली,,। भारत–पाक तनाव के बीच रविवार को दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी की गई। इस एडवाइजरी में दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों से फ्लाइट्स की ऑफिशियल अपडेट्स को फॉलो करने की सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है कि फ्लाइट के शेड्यूल में बदलाव भी हो सकता है। ऐसे में यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यात्रा करने से पहले अपनी एयरलाइन के साथ संपर्क में बने रहें।

एडवाइजरी में कहा गया है कि दिल्ली एयरपोर्ट पर परिचालन सुचारू रूप से जारी है। हालांकि, हवाई क्षेत्र की बदलती गतिशीलता और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा अनिवार्य किए गए सुरक्षा प्रोटोकॉल के मद्देनजर, उड़ान के शेड्यूल में बदलाव हो सकता है और ऐसे में चेक इन पर प्रतीक्षा अवधि बढ़ सकती है। इसलिए, समय से एयरपोर्ट पर पहुंचे।

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे संबंधित एयरलाइन के माध्यम से अपडेट प्राप्त करते रहें। किसी अन्य सोशल मीडिया या अन्य माध्यम के बहकावे में न आए। केबिन और चेक–इन बैगेज के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करें। एयरलाइन या दिल्ली हवाई अड्डे की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से उड़ान की स्थिति की पुष्टि करें। सुरक्षा कारणों से होने वाली संभावित देरी के कारण एयरपोर्ट पर समय से पहले पहुंचे। एयरलाइन और सुरक्षा कर्मियों का पूरा सहयोग करें।

इस बार पाकिस्तान को घुसकर मारेंगे, पीएम मोदी की अमेरिका को दो टूक

नई दिल्ली ,भारत–पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद सीजफायर पर सहमति बनी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने ही दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कराई है। लेकिन भारत ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया था। भारत ने साफ कर दिया था कि पाकिस्तान ने फोन कर भारत से सीजफायर की गुजारिश की थी। अब समाचार एजेंसी एएनआई ने न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट से हवाले से दावा किया है कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बीच बातचीत हुई, जिसमें पीएम ने वेंस को दो टूक शब्दों में भारत का स्टैंड समझा दिया। पीएम मोदी ने जेडी वेंस से कहा कि ह्यअगर पाकिस्तान कुछ करता है, तो इस बार जवाब और भी विनाशकारी और सख्त होगा।

जम्मू–कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद अभियान तेज

स्लीपर सेल मॉड्यूल का भंडाफोड़; 20 जगहों पर हुई छापेमारी

श्रीनगर , जम्मू–कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकवादियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान तेज हो गया है। इसी कड़ी में राज्य जांच एजेंसी पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दक्षिणी कश्मीर के 20 स्थानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी कर एक बड़े आतंकी स्लीपर सेल मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

इस दौरान भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है, साथ ही कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया गया है। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि जम्मू–कश्मीर पुलिस कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी सहयोगियों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स पर लगातार नजर रख रही है। तकनीकी खुफिया जानकारी से पता चला था कि कश्मीर में कई स्लीपर सेल सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के संपर्क में थे। ये सेल सुरक्षा बलों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के बारे में संवेदनशील और रणनीतिक जानकारी को व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसे मैसेजिंग ऐप के जरिए पाकिस्तान पहुंचाने में शामिल थे। एसआईए ने बताया कि ये आतंकी सहयोगी लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद के आतंकी कमांडरों के इशारे पर ऑनलाइन कट्टरपंथी प्रचार में भी लिप्त थे, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता को गंभीर खतरा पैदा हो रहा था।

सम्पादकीय

श्रेष्ठ सेना का संरक्षण

भारत–पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम के बाद उम्मीद है कि काफी कुछ बदलता हुआ नजर आएगा। खास तौर से सीमा पार से जो आतंक की फैक्ट्री चलाई जा रही है उस पर भारत के कड़े रवैया के बाद पाकिस्तान को कुछ तो लगाम कसनी ही होगी। कल ही भारत ने सीज फायर को मानते हुए शांति की ओर कदम बढ़ाया था लेकिन सीज फायर के बाद भी पाकिस्तान ने भारत के कई क्षेत्रों में हमले किए। इधर भारत ने अब यह स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी स्तर पर पाकिस्तान से बात नहीं करेगा और यदि कोई बातचीत होगी तो वह डीजीएमओ स्तर पर ही होगी। यही नहीं जब तक पाकिस्तान भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों को उसे नहीं सौंपेगा तब तक इस जंग को समाप्त नहीं समझा जाएगा। बातचीत के लिए भी भारत में यही शर्त रखी है कि पहले आतंकियों को सौंपा जाए उसके बाद शांति की दिशा में कोई कदम आगे बढ़ेगा। इस जंग के बाद भारत में पाकिस्तान को यह जाता दिया है कि युद्ध की स्थिति में वह अधिक समय टिकने वाला नहीं है और यदि महज परमाणु बम के बल पर पाकिस्तान गीदड़ भभकी दिखा रहा है तो इससे पाकिस्तान को कुछ हासिल होने वाला नहीं है। यह भारत की बढ़ती हुई ताकत का ही परिणाम है कि पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद दुनिया के कई बड़े देश भारत के साथ खड़े नजर आए और भारत द्वारा आतंक के खात्मे के लिए पाकिस्तान पर किए हमले में भी इन देशों ने भारत का साथ देने की घोषणा की थी। "ऑपरेशन सिंदूर" पाकिस्तान को एक सीधा सा संदेश है कि आतंक के मुद्दे पर "जीरो टॉलरेंस" की नीति अपनाई जाएगी। पाकिस्तान अपनी जिस सेना के बल पर उछलने की कोशिश कर रहा है उसकी वह सेना केवल देश में सत्ता पलट तक ही कामयाब है अन्यथा युद्ध क्षेत्र में पाक सेना की कोई औकात नहीं है। इस हमले में न केवल पाकिस्तान सुना की हकीकत सामने आई बल्कि पाक की जमीन पर पाल रहे 100 से अधिक आतंकवादी अपने तीन बड़े आकाओं के साथ मारे गए। पाकिस्तान के खिलाफ भारत को अब अपना रवैया हमेशा कड़ा ही रखना होगा और खास तौर पर सीमा पर अवैध घुसपैठ को लेकर कड़ी चौकसी बढ़ानी होगी। भले ही देश के लोगों की कुछ चाहते अधूरी रह गई हों लेकिन भारत की सैन्य शक्ति ने अपने नागरिकों पर एक अटूट विश्वास कायम किया है कि भारत देश एक ऐसी सेना के संरक्षण में है जो विश्व में सबसे बेहतर है।

जाति गणना कराने का फैसला

बिहार की जाति गणना से यह पता चल गया कि मोटे तौर पर अनुमान सही भी है। लेकिन चूंकि जाति और आरक्षण एक बड़ा भावनात्मक राजनीतिक मुद्दा है और 10 साल से सत्ता के लिए भटक रही कांग्रेस को यह अमोघ अस्त्र की तरह लगा तो उसने इसे 2024 के चुनाव में आजमाया। उसको इसका लाभ हुआ। समूचे विपक्ष को हुआ। इसी से भाजपा और नरेंद्र मोदी सावधान हुए। उनको लगा कि यह मुद्दा बिहार, उसके बाद उत्तर प्रदेश और उसके बाद लोकसभा चुनाव में नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जाति गणना कराने का फैसला हुआ।

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन राजनीति का जो प्रयोग किया था उसे अब वह सांस्थायिक रूप दे रही है और इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाति गणना कराने का ऐलान कर दिया। बुधवार, 30 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक में जाति गणना का फैसला हुआ। सरकार ने कहा कि अगली जनगणना में जातियों की गिनती होगी। आजादी के बाद पहली बार जातियां गिनी जाएंगी। अभी तक 1931 में अंग्रेजों की कराई जातिगत गणना के आंकड़ों के आधार पर बने अनुमान से काम चल रहा था।

बिहार की जाति गणना से यह पता चल गया कि मोटे तौर पर अनुमान सही भी है। लेकिन चूंकि जाति और आरक्षण एक बड़ा भावनात्मक राजनीतिक मुद्दा है और 10 साल से सत्ता के लिए भटक रही कांग्रेस को यह अमोघ अस्त्र की तरह लगा तो उसने इसे 2024 के चुनाव में आजमाया। उसको इसका लाभ हुआ। समूचे विपक्ष को हुआ। इसी से भाजपा और नरेंद्र मोदी सावधान हुए। उनको लगा कि यह मुद्दा बिहार, उसके बाद उत्तर प्रदेश और उसके बाद लोकसभा चुनाव में नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जाति गणना कराने का फैसला हुआ।

परंतु सवाल है कि जाति की राजनीति का कांग्रेस को कितना फायदा होगा? ध्यान रहे वह इस राजनीति के इर्द गिर्द अपनी पोजिशन कंसोलिडेट करने की कोशिश कर रही है। हो सकता है कि इसमें समय लगे क्योंकि यह कांग्रेस की राजनीति का बुनियादी स्वरूप नहीं है। कांग्रेस ने पहले भी जाति की राजनीति की है लेकिन कभी भी इस तरह से नहीं। आजादी की लड़ाई के मूल्यों पर आधारित आइडिया ऑफ इंडिया के इर्द गिर्द कांग्रेस की राजनीति का तानाबाना था। लेकिन 2014 में बुरी तरह से हार कर सत्ता से बाहर होने के बाद उसने कई प्रयोग किए।

भाजपा की राजनीति के रास्ते पर भी चलने का प्रयास किया, जिसके तहत राहुल गांधी मंदिर मंदिर घूमते रहे और जनेऊ दिखा कर उनको कौल ब्राह्मण बताया गया। लेकिन उसमें कामयाबी नहीं मिली। मूल हिंदुवादी पार्टी के रहते किसी ने क्लोन पार्टी की ओर से ध्यान नहीं दिया। इसके बाद जाति आधारित राजनीति का प्रयोग कांग्रेस ने शुरू किया, जिसमें आंशिक ही सही लेकिन कामयाबी मिली। इस आंशिक कामयाबी के बाद ही कांग्रेस ने बहुजन राजनीति को सांस्थायिक रूप देना शुरू किया।

गुजरात के अहमदाबाद में हुए कांग्रेस के अधिवेशन को कांग्रेस की बहुजन राजनीति का प्रस्थान बिंदु मान सकते हैं। इसमें कांग्रेस ने तीन प्रस्ताव पास किए। पहला, आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को समाप्त करके उसे बढ़ाने का प्रस्ताव। दूसरा, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के अंदर वर्गीकरण और आबादी के अनुपात में उनके लिए आरक्षण की व्यवस्था करने का प्रस्ताव और तीसरा, निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण के प्रावधान का प्रस्ताव। इस तीसरे प्रस्ताव से ही बात शुरू करें तो यह सवाल उठता है कि कांग्रेस ने सिर्फ निजी शिक्षण संस्थानों में दाखिले में ही आरक्षण देने की बात क्यों कही है?

उसने निजी संस्थानों की नौकरी में आरक्षण देने का प्रस्ताव क्यों नहीं स्वीकार किया? ध्यान रहे निजी कंपनियों की नौकरी में आरक्षण की मांग पुरानी है। बहुजन राजनीति के तमाम बड़े नेताओं जैसे शरद यादव, मुलायम सिंह यादव, रामविलास पासवान आदि हमेशा निजी कंपनियों में आरक्षण देने की मांग करते रहे थे। जब कांग्रेस इस राजनीति में घुसी है तो पता नहीं क्यों आधे अधूरे मन से उसने सिर्फ निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण देने का वादा किया है। क्या वह देश के कॉरपोरेट समूह को नाराज नहीं करना चाहती है या कोई और कारण है?

संभव है कि कांग्रेस को यह लग रहा हो कि देश में सरकारी शिक्षण संस्थान दम तोड़ रहे हैं और निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सो, अगर उसमें आरक्षण लागू हो जाता है तो वहां से पिछड़ी जातियों के या एससी, एसटी समूह के बच्चे पढ़ कर निकलेंगे और फिर निजी सेक्टर में आरक्षण की जरुरत ही नहीं रह जाएगी। जो भी यह कांग्रेस की राजनीति का एक बड़ा शिफ्ट है।

पहले प्रस्ताव में कांग्रेस ने जाति गणना कराने और आरक्षण की सीमा बढ़ाने का संकल्प जताया था। इसका एक हिस्सा केंद्र की मोदी सरकार ने लागू करने का ऐलान कर दिया। अगली जनगणना के साथ जाति गणना होगी। तभी राहुल ने कहा है कि आरक्षण बढ़ाने का फैसला भी होगा। इससे पहले कांग्रेस शासित दो राज्यों ने जाति गणना के आंकड़े जारी किए। तेलंगाना बनने के बाद पहली बार 2023 में कांग्रेस की सरकार बनी और उसने दो साल से पहले जाति गणना करा कर उसके आंकड़े जारी कर दिए। इसके साथ ही जातियों की आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने का प्रस्ताव भी तैयार कर कर दिया।

उधर कर्नाटक में जाति गणना कोई 12 साल पहले हुई थी, जिसकी रिपोर्ट अब जारी की गई है। कर्नाटक में भी कांग्रेस सरकार ने जातियों की आबादी के अनुपात में सबको आरक्षण देने के लिए आरक्षण की सीमा 75 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला किया है। यह अलग बात है कि अदालत में इस पर रोक लग जाएगी, जैसे छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में लगी है।

इसके बावजूद यह बड़ा भावनात्मक दांव होगा, जिसका लाभ चुनावी राजनीति में मिल सकता है। कांग्रेस का दूसरा प्रस्ताव एससी, एसटी समुदायों के अंदर वर्गीकरण का है, जिसका फैसला सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया हुआ है। इन समूहों के भीतर उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति के अनुरूप आरक्षण का बंटवारा किया जाएगा।

थोड़े समय पहले ऐसा लग रहा था जैसे आरक्षण की राजनीति अपने चरम पर पहुंच गई और अब इसका ढलान आएगा। पूरे देश में भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति के उभार की वजह से ऐसी धारणा बन रही थी। लग रहा था कि हिंदुत्व की राजनीति ने जातीय राजनीति की धार कुंद कर दी। ध्यान रहे मंदिर और मंडल की राजनीति एक साथ शुरू हुई थी और कदम दर कदम एक साथ चल रही थी। लेकिन नरेंद्र मोदी के रूप में अति पिछड़े समाज के एक नेता के राजनीति के शीर्ष पर पहुंचने और उसके बाद भाजपा द्वारा किए गए प्रयोगों की वजह से मंडल और कमंडल का भेद मिट गया।

भाजपा ने दोनों एक एकाकार कर दिया। यह स्थापित किया कि मंडल ही कमंडल है। पिछड़ी और दलित जातियों की सांप्रदायिक मुद्दों पर जबरदस्त गोलबंदी हुई। मंडल के सारे मसीहा हवा में उड़ गए। भाजपा ने घोषित रूप से देश की राजनीति को 80 बनाम 20 फीसदी की राजनीति में बदल दिया। मुसलमान के रूप में एक साझा दुश्मन खड़ा किया गया और बाकी तमाम जातियों, समुदायों को उनके खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। पिछले तीन लोकसभा चुनावों और अनगिनत विधानसभा चुनावों में भाजपा को इसका फायदा मिला।

भाजपा की लगातार सफलताओं ने मंडल की पार्टियों को अपनी राजनीति बदलने के लिए मजबूर किया। उन्होंने अपना सामाजिक आधार बढ़ाने के लिए भाजपा से पारंपरिक रूप से जुड़ी रही जातियों को लक्ष्य बनाया। उनके नेताओं को साथ जोडऩे और उनके हितों की बात उठानी शुरू की।

इससे जातियों के बीच की रेखा थोड़ी धुंधली हुई और अमुक जाति के अमुक पार्टी का बंधुआ होने की धारणा भी बदली। भाजपा को उसके ब्रांड की पोलिटिक्स में मात देने में नाकाम रही कांग्रेस बहुजन राजनीति में उतरी। उसने पहले से भीड़ भरे इस क्षेत्र में कदम रखा।

उसको यह एडवांटेज है कि उसके पास अखिल भारतीय संगठन है, भाजपा विरोध का एक मजबूत वैचारिक आधार है, दूसरी मंडलवादी पार्टियों से इतर सवर्ण और दलित मतदाताओं में भी पहुंच है और भाजपा विरोध की स्थायी राजनीति के कारण अल्पसंख्यक समूहों का स्वाभाविक भरोसा है। उसे अब पिछड़ी जातियों का भरोसा हासिल करना है।

जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली के जरिए कांग्रेस इस कोशिश में लगी है। राहुल गांधी स्वंय इस राजनीति का चेहरा बने हैं। पहले की तरह कांग्रेस अपने प्रादेशिक क्षत्रपों के जरिए यह राजनीति नहीं कर रही है, बल्कि सीधे राहुल गांधी यह राजनीति कर रहे हैं।

हालांकि उनकी अपनी पहचान बहुजन समाज वाली नहीं है और यह उनके रास्ते में एक बड़ी बाधा है। फिर भी उन्होंने भाजपा और नरेंद्र मोदी को जाति गणना के फैसले के लिए मजबूर किया। केंद्र सरकार के इस फैसले से किसी भी दूसरे नेता से ज्यादा राहुल गांधी की विश्वसनीयता बनेगी।

राहुल बोले और विवाद न हो

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का पिछले दिनों संपन्न हुई विदेश यात्रा के दौरान ब्राउन विश्वविद्यालय में दिए गए भाषण का वीडियो जारी हुआ है।

इसके सामने आते ही एक बार फिर न केवल अखबारों की खबर बनी है बल्कि एक बहस भी उठ खड़ी हुई है। वैसे भी ऐसा कम ही होता है कि राहुल गांधी बोले और उन पर विवाद न हो। तिस पर पर यहां तो राहुल गांधी का वह भाषण सामने आया है जिसमें वह एक ओर भाजपा के हिन्दुत्व पर सवाल खड़ा कर रहे हैं।

यानी उसे मुख्यधारा का हिन्दुत्व न बताकर हाशिये का हिन्दू बता रहे हैं तो दूसरी ओर जरनैल सिंह भिंडरावाले के उभार के साथ अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पर सैनिक कार्रवाई और उसके बाद इंदिरा गांधी की हत्या और फिर सिख विरोधी दंगों जैसी घटनाओं के संदर्भ में बात करते हुए इन्हें कांग्रेस की गलती बता रहे हैं। यह सब उन्होंने तब कहा जब एक सिख छात्र ने सिखों के साथ उनके संबंध की बात पूछी। दरअसल, पिछली यात्रा में राहुल गांधी ने कहा था कि वह भारत में इसलिए लड़ाई लड़ रहे हैं कि सिख अपनी पगड़ी पहन पा रहे हैं या नहीं। उनका आशय था कि भाजपा शासन में सिखों के लिए अपनी पहचान बचाना यानी पगड़ी पहनना तक मुश्किल हो जाएगा। इस संदर्भ में उनका कहना था कि सिखों के साथ उनके संबंध अच्छे हैं और कांग्रेस ने 80 के दशक में जो गलतियां की हैं, उसके लिए माफी मांगते हैं। भाजपा के हिन्दुत्व के संदर्भ में राहुल गांधी ने जो कुछ कहा उसके लिए तो भाजपा उन पर आक्रमक है, लेकिन असली मुद्दा जो उनके भाषण में से निकलकर आया है वह कांग्रेस की गलतियों के लिए उनके द्वारा माफी मांगे जाने की है। अब यह तो राहुल गांधी बता सकते हैं कि उन्होंने उस दौर में कांग्रेस के कार्य को किस बिना पर गलत ठहराया और माफी मांग रहे हैं तो किस हैसियत से मांग रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की ओर से इस मामले पर अभी कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है, लेकिन राहुल को इस मामले में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए जिससे यह पता चले कि वह क्या कहना चाहते हैं।

सारी लड़ाई सोशल मीडिया में

हरिशंकर व्यास

एक तरफ जहां पाकिस्तान में आम लोगों ने सोशल मीडिया को अपनी सरकार का मजाक बनाने के लिए इस्तेमाल किया है तो दूसरी ओर भारत में सोशल मीडिया जंग का मैदान बना हुआ है। सारी लड़ाई सोशल मीडिया में हो रही है। वैसे सेना के हिस्से की लड़ाई मीडिया में भी लड़ी गई है। भारत के न्यूज चैनलों ने पिछले 10 दिन में पाकिस्तान को कई बार तबाह कर दिया है। भारत के न्यूज चैनलों पर अनेक बार पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसीम मुनीर और लश्कर ए तैयबा के खात्मे की उलटी गिनती शुरू होकर खत्म हो चुकी है। पता नहीं भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल को जानकारी है या नहीं लेकिन भारत के कई चैनलों ने बताया है कि जनरल मुनीर रावलपिंडी के किस इलाके के कौन से बैंकर में छिपा हुआ है। कुछ चैनलों और सोशल मीडिया हैंडल्स ने तो यह भी बताया है कि वह अमेरिका के किस शहर में गोल्फ खेलता पाया गया है। इसी तरह कई चैनलों और सोशल मीडिया हैंडल्स ने लश्कर ए तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद की लोकेशन भी बताई है। कहा जा रहा है कि स्पेशल सर्विस ग्रुप के कमांडो उसकी सुरक्षा कर रहे हैं। वैसे अक्षय कुमार और अनुपम खेर एक फिल्म में हाफिज सईद को पाकिस्तान से उठा कर भारत ला चुके हैं। लोग उसी से खुश थे। कई चैनलों ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के मुख्यालय को तबाह करने का रोडमैप भी दिखाया है। सरकार ने एक दिशा निर्देश भी जारी किया लेकिन पाकिस्तान को तबाह, बरबाद करने के जुनून में चैनलों ने उस पर ध्यान नहीं दिया है। सरकार भी दिशा निर्देशों पर अमल इसलिए नहीं करवा रही है कि उसको लग रहा है कि चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रही लड़ाई से भारत के लोगों का गुस्सा शांत हो जाएगा। उनको चैनलों पर भारतीय सेना की कार्रवाई का जो ब्लूप्रिंट दिखाया जा रहा है उससे भरोसा होगा कि सरकार कुछ कर रही है और इसका फायदा यह होगा कि जब कहा जाएगा कि कुछ हो गया तो उनको यकीन हो जाएगा कि हां सचमुच को पाकिस्तान को रौंद डाला गया।भारत के सोशल मीडिया में एक तरफ जंग का ऐलान है तो दूसरी ओर सरकार के विरोधियों द्वारा उकसाने और ललकारने वाली पोस्ट है। एक तरफ भक्त मंडली है, जो लग रहा है कि कुछ बड़ा होने वाला है। इस मंडली ने 'हैशटैग मुनीरआउट' ट्रेंड कराया। 'जनरल मुनीर हैज गॉन एमआईए' भी ट्रेंड कराया गया। एमआईए का मतलब है जनरल मिसिंग इन एक्शन। भारत में सोशल मीडिया के जरिए इसका इतना प्रचार हुआ कि पाकिस्तान सरकार को जनरल मुनीर की तस्वीरें और वीडियो जारी करनी पड़ी। पाकिस्तान की ओर से दिखाया गया कि वे 26 अप्रैल को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मिले हैं। लेकिन भारत में सोशल मीडिया ने इस पर यकीन नहीं किया, बल्कि इसे फर्जी और एआई जेनेरेटेड फोटो बताई गई। भारत के सोशल मीडिया ने स्थापित कर दिया है कि पाकिस्तानी मुनीर के बाद सोशल मीडिया का पसंदीदा निशाना लश्कर ए तैयबा की संस्थापक हाफिज सईद है। लिखा जा रहा है कि डर के मारे उसकी हालत खराब है और वो सेना के संरक्षण में छिपा हुआ है।

वैसे आधिकारिक रूप से वह गिरफ्तार है और पाकिस्तान की हिरासत में है लेकिन हकीकत सबको पता है। एक भक्त मंडली ने तो यह खबर प्रसारित कराई कि भारत द्वारा तय किया गया टारगेट सामने आ गया है। उसके मुताबिक टारगेट पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मदरसे और आतंकवादी शिविर हैं।

अब थिएटर्स में नहीं ओटीटी प्लेटफॉर्म में रिलीज होगी भूल चूक माफ, 16 मई को प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और देश भर में सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए राजकुमार राव और वामिका गब्बी की आगामी फिल्म भूल चूक माफ के शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया गया है. यह बदलाव फिल्म के थिएटिकल रिलीज से ठीक एक दिन पहले किया गया है.

भूल चूक माफ के मेकर्स ने फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज न करने का फैसला लिया है. यह फिल्म 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी.पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों में तनाव का माहौल है. देश की सुरक्षा को देखते हुए भारत भर में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है. देश की सुरक्षा और किसी जगह पर भीड़ एकत्रित ना हो, इसका ध्यान रखते हुए भूल चूक माफ के आधिकारिक प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स ने 9 मई को रिलीज से एक दिन पहले बयान जारी किया.फिल्म के मेकर्स ने अनाउंसमेंट करते हुए अपने बयान में बताया कि वे भूल चूक माफ के शेड्यूल में बदलाव कर रहे हैं. मेकर्स ने अपने बयान में कहा,हाल की घटनाओं और पूरे देश में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर, मैडॉक फिल्म्स और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने 16 मई को प्राइम वीडियो पर दुनिया भर में अपने फैमिली एंटरटेनर भूल चूक माफ को सीधे आपके घरों तक लाने का फैसला किया है.

टी–20 में हुआ नया अजूबा! 10 बल्लेबाज हुए रिटायर्ड आउट

बैंकॉक,इंग्लैंड में खेले जाने वाले 2026 महिला टी20 विश्व कप का एशिया क्वालीफायर मैच संयुक्त अरब अमीरात और कतर के बीच खेला गया. थाईलैंड के बैंकॉक में खेले गए मैच में बारिश की आशंका थी, लेकिन यूएई को ये मैच जीतना बहुत जरूरी था. इसलिए उन्होंने कतर के खिलाफ 16 ओवर में 192–0 का स्कोर बनाया और तमाम खिलाड़ियों को रिटायर्ड आउट करा दिया. टी20 क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ जब एक टीम के तमाम बल्लेबाज रिटायर्ड आउट हुए हों. टेस्ट में कोई भी टीम समय बचाने के लिए पारी घोषित कर सकती है, लेकिन टी20 में पारी घोषित करने की अनुमति नहीं है. इस लिए यूएई ने तमाम खिलाड़ियों को रिटायर्ड आउट करा दिया. जिससे पुरुष और महिला क्रिकेट में ऐसा करने का नया रिकॉर्ड बन गया. यूएई क्रिकेट टीम के दो सलामी बल्लेबाज, कप्तान ईशा ओजा 113 और बाएं हाथ की बल्लेबाज तीर्था सतीश 74 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुईं.

विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले पर पूरी तरह से कायम

नईदिल्ली ,भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलना अभी तय नहीं है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा जताई है और अब तक अपनी उपलब्धता की पुष्टि नहीं की है। रोहित शर्मा के संन्यास के बाद बीसीसीआई ने कोहली से फैसला बदलने की अपील की है। हालांकि, कोहली अपने फैसले पर अभी भी अडिग हैं और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के इरादे पर कायम हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई और चयन समिति कोहली को इंग्लैंड दौरे पर खेलने के लिए मनाने की पूरी कोशिश कर रही है। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में भारत का मध्यक्रम अनुभवहीन है, ऐसे में कोहली की मौजूदगी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने 2 हफ्ते पहले चयनकर्ताओं से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा जताई थी, लेकिन वह अब भी ना खेलने के अपने फैसले पर अडिग हैं। अपने शानदार टेस्ट करियर के बावजूद, कोहली हाल के दिनों में टेस्ट क्रिकेट में संघर्ष करते नजर आए हैं। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया सीरीज में वह बार–बार एक ही तरह से आउट हुए थे।

इसके बाद उनके टीम में स्थान को लेकर सवाल उठने लगे थे। अगर कोहली नहीं खेलते हैं तो श्रेयर अय्यर या करूण नायर को उनकी जगह नंबर 4 पर खेलते हुए देखा जा सकता है। रोहित की जगह भारत के अगले कप्तान शुभमन गिल बन सकते हैं। साल 2019 से 2024 तक कोहली ने 46 टेस्ट मैच खेले। इसकी 78 पारियों में 35.84 की औसत से सिर्फ 2,617 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 5 शतक और 11 अर्धशतक निकले थे।

सोरी स्टारर मामन की सामने आई रिलीज की तारीख

अभिनेता सोरी ने घोषणा की कि उनकी बहुप्रतीक्षित अपकमिंग फिल्म मामन इस साल 16 मई को दुनिया भर में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक प्रशांत पंडियाराज हैं। सोरी ने अपने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को तमिल नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, आप सभी को तमिल नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि हम सभी को स्वस्थ और समृद्धि का आशीर्वाद दें। ह्यमामनह्न 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। प्रशांत पंडियाराज के निर्देशन में बनी मामन का निर्माण हेशम अब्दुल वाहेब, कुमार के ने फिल्म प्रोडक्शन कंपनी लार्क प्रोडक्शन के साथ मिलकर किया है।

हाल ही में यह खबर चर्चा में रही थी कि अभिनेता शिवकार्तिकेयन, अभिनेता सोरी से मिलने के लिए फिल्म के सेट पर अचानक पहुंचे थे। सोरी और शिवकार्तिकेयन अच्छे दोस्त हैं। एक्टर जयप्रकाश, जो एक्शन ड्रामा ह्यमामनह्न के कलाकारों में भी शामिल हैं, ने कुछ महीने पहले खुलासा किया था कि अभिनेता शिवकार्तिकेयन उस समय भी फिल्म के सेट पर आए थे।

पुणे हाईवे का ट्रेलर जारी, मौत के खेल के रहस्य में उलझे अमित साध और जिम सरभ

अमित साध और जिम सरभ जैसे शानदार अभिनेताओं से सजी फिल्म ह्यपुणे हाईवेह्न का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह ट्रेलर सस्पेंस, ड्रामा और रहस्य से भरी एक ऐसी कहानी की झलक देता है, जो दोस्ती के अटूट बंधन को केंद्र में रखती है। यह फिल्म 16 मई, 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बग्स भार्गव कृष्णा और राहुल दाकुन्हा के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक समीक्षकों द्वारा सराहे गए नाटक पर आधारित है और इसे ड्रॉप डी फिल्म्स व टेन ईयर्स यंगर प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूस किया है। ट्रेलर की शुरुआत दोस्तों की हंसी–मजाक से होती है, लेकिन जल्द ही माहौल गंभीर हो जाता है। सवाल उठता है– क्या ये दोस्त सच का साथ देंगे या रहस्य को दफन कर देंगे? ह्यपुणे हाईवेह्न की कहानी तीन बचपन के दोस्तों के इर्द–गिर्द घूमती है, जिनका एक सामान्य सा वीकेंड ट्रिप तब भयावह हो जाता है, जब उन्हें एक लाश मिलती है।

त्रिकोणीय सीरीज 2025 : स्मृति मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में लगाया शतक

नईदिल्ली,। त्रिकोणीय सीरीज 2025 के फाइनल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ शतक लगाया है। यह उनके वनडे करियर का कुल 11वां शतक रहा। श्रीलंका के विरुद्ध यह उनके बल्ले से निकलने वाला पहला शतक रहा। इस बीच उन्होंने प्रतिका रावल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 70 रन की अच्छी साझेदारी भी की। मंधाना ने अपनी उम्दा फॉर्म जारी रखते हुए कुछ आकर्षक शॉट लगाए। उन्होंने निरंतर रन बनाने जारी रखते हुए 55 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। इस बीच उन्होंने श्रीलंका के तेज गेंदबाजों के साथ–साथ स्पिनरों के खिलाफ भी रन बटोरने में सफलता

हासिल की। उन्होंने 92 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। वह 101 गेंदों में 15 चौकों और 2 छक्कों की बदौलत 116 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुई।मंधाना ने साल 2013 में बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने वनडे करियर का आगाज किया था।

वह अब तक 102 वनडे मुकाबलों में लगभग 47 की औसत और 87.67 की स्ट्राइक रेट से 4,473 रन बनाने में सफल रही हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 11 शतक के अलावा 31 अर्धशतक भी निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 136 रन रहा है। वह साल 2024 में महिला वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज रही थीं।

यह मंधाना का 11वां वनडे शतक था। अब वह इस प्रारूप में शतकों के मामले में केवल ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग (15) और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (13) से पीछे हैं। यह श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ उनका पहला शतक है। उन्होंने इस टीम के खिलाफ 16 मैचों में 43.85 की औसत के साथ 614 रन बनाए हैं।

एक नजर

पाटीसैण बाजार बनेगा स्वच्छता का मॉडल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने पाटीसैंण में व्यापार सभा के साथ बैठक कर व्यापारियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान सीडीओ ने कहा कि पाटीसैंण बाजार को स्वच्छता का मॉडल बनाया जाएगा। बैठक में व्यापार सभा के पदाधिकारियों ने बाजार क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं सामने रखीं। व्यापारियों ने सुलभ शौचालय, स्ट्रीट लाइट, पेयजल टैंक निर्माण, पाटीसैंण में पुल निर्माण सहित कई समस्याएं बताई। बैठक में सीडीओ ने कहा कि पाटीसैंण बाजार को स्वच्छता के क्षेत्र में एक मॉडल बाजार के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे अन्य ग्रामीण बाजारों को भी इससे प्रेरणा मिल सके। उन्होंने दुकानदारों से कहा कि वे अपनी दुकानों में सूखे और गीले कूड़े के लिए अलग-अलग डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखें और ग्राहकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करें। कहा कि प्रशासन की ओर से बाजार क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने व्यापार सभा को भरोसा दिलाया कि बाजार क्षेत्र की समस्याओं को जल्द दूर किया जाएगा। इस मौके पर ब्लाक प्रशासक एक्सेक्यूर नीरज पांथरी, खंड विकास अधिकारी नरेश चंद्र सुयाल, एडीपीआरओ प्रदीप सुंदरियाल, ग्राम प्रशासक सुधीर कोहली, देवेश सुंदरियाल, मंत्री असवाल, नंदन सिंह असवाल आदि शामिल रहे।

मातृ दिवस पर बच्चों ने माताओं को भेंट की श्रीमदभगवतगीता

श्रीनगर गढ़वाल। सरस्वती विद्या मन्दिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्रीनगर में रविवार को मातृ दिवस पर विद्यार्थियों द्वारा माताओं का पूजन-तिलक और आरती की गई। इस दौरान बच्चों ने 108 माताओं को शुभ कामना पत्र सुन्दरकाण्ड एवं श्रीमद्भगवद्गीता की पुस्तकें भेंट स्वरूप प्रदान की। बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी समा अग्रवाल एवं शकुन्तला अग्रवाल ने सभी माताओं एवं बच्चों को मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में पुराणों में वर्णित अनेक उपाख्यानों के माध्यम से बताया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश चन्द्र मैठाणी ने बच्चों के विकास में माताओं की महनीय भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि मातृ दिवस पर माताओं के पूजन, अर्चन एवं वन्दन के ऐसे कार्यक्रम से बच्चों में उच्च संस्कारों का विकास होता है। इस मौके पर सरस्वती शिशु मन्दिर श्रीनगर के प्रधानाचार्य गोविन्द, आशा फरासी, कुसुम रूडोला, रचना नेगी, मोनिका पाण्डेय, भक्तिराम नैथानी, प्रदीप खंकरियाल, राजेन्द्र पुरोहित, सुरेश पोखरियाल, ताजबर सिंह बिष्ट, बृजमोहन चमोली आदि मौजूद थे।

गुजरात के बेहोश यात्री को बेस के डॉक्टरों ने दिया उपचार

श्रीनगर गढ़वाल। नंदप्रयाग में संचालित मुरारी बापू की कथा सुनने के बाद वापस गुजरात जाने को निकले सूरत निवासी यात्री अचानक बस में बेहोश हो गये। बेहोशी की हालत में तीर्थयात्रियों की बस श्रीकोट बेस चिकित्सालय पहुंची और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। बुजुर्ग यात्री को बेस अस्पताल प्रशासन ने चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराते हुए इस्केमिक स्ट्रोक से उभारा। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को गोठान गांव जिला सूरत गुजरात के 68 वर्षीय हंसमुख भाई भगू पटेल को बेस चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। बेस चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजेय विक्रम सिंह ने बताया कि बुजुर्ग में इस्केमिक स्ट्रोक पाया गया। बुजुर्ग यात्री को निशुल्क सेवाएं दी गई हैं। कहा कि बुजुर्ग अस्पताल में गंभीर अवस्था में पहुंचा था, किंतु समय पर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों की मेहनत और त्वरित उपचार ने बुजुर्ग की जान बचाई।

गुरिल्लाओं को सीमाओं पर तैनात करने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल। एसएसबी प्रशिक्षित गुरिल्लाओं ने देश सेवा के लिए एक और मौका दिए जाने की मांग की है। एसएसबी प्रशिक्षित गुरिल्ला संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जनपद टिहरी के जिलाध्यक्ष दिनेश प्रसाद गैरोला और मीडिया प्रभारी अनिल प्रसाद भट्ट ने कहा कि 1971 की बांग्लादेश की लड़ाई हो या 1999 में कारगिल युद्ध, एसएसबी गुरिल्लाओं ने सीमाओं पर रहकर सूचना भारतीय सेना को दी थी। लेकिन आज सरकार ने उन्हें दरकिनार किया हुआ है। कहा कि वर्तमान में देश में जो हालात बने हुए है, ऐसे में एसएसबी प्रशिक्षित गुरिल्लाओं को सीमाओं में तैनात कर पूर्व की भांति देश सेवा के लिए समर्पित किया जाना चाहिये। इससे देश की सीमाओं में हो रही हलचल को भारतीय सैनिकों और सरकार तक पहुंचाया जा सके।

पर्यटन सीजन में पर्यटन कार्यालय खोज रहे पर्यटक

बाजार क्षेत्र से दूर मोटर नगर के एक कोने में संचालित हो रहा पर्यटन कार्यालय

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पर्यटन कार्यालय की जिम्मेदारी है कि वह पर्यटकों को गढ़वाल क्षेत्र के पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी दें। पर्यटन स्थानों तक पर्यटक कैसे पहुंचे यह जानकारी भी पर्यटक विभाग ही देता है। लेकिन, कोटद्वार से पहाड़ घूमने के लिए आने वाले पर्यटक इन दिनों पर्यटक विभाग को ही खोज रहे हैं।

दरअसल, पर्यटक स्थल बाजार क्षेत्र से दूर मोटर नगर के एक कोने में संचालित हो रहा है। खंडहर व झाड़ियों के बीच छिपे इस कार्यालय को खोजना भी एक चुनौती बन गई है। पयटकों की जानकारी के अभाव में पर्यटन कार्यालय भी वीरान पड़ा हुआ है।

कोटद्वार के मोटर नगर में स्थित पर्यटन विभाग का कार्यालय यहां पहुंचना पर्यटकों के लिए एक चुनौती है

गढ़वाल घूमने वाले पर्यटकों को पर्यटक स्थलों के बारे में बेहतर जानकारी मिल सकें इसके लिए वर्ष–2011 में करीबी 25 लाख की लागत से मोटरनगर में पर्यटन सूचना केंद्र का निर्माण करवाया गया था। उक्त स्थान पर नगर निगम की ओर से आधुनिक बस अड्डे का भी निर्माण करवाया जाना था। लेकिन, आधुनिक बस अड्डे का निर्माण कार्य तो अधर में लटका हुआ है। साथ ही खंडहर व झाड़ियों के बीच पर्यटन कार्यालय में नगर नहीं आ रहा। नतीजा, कोटद्वार आने वाले पर्यटकों को पर्यटक स्थलों की जानकारी के लिए यहां–वहां भटकना पड़ रहा है। वर्ष 2017 में एक संस्था ने पर्यटन विभाग से इस केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी लेने को हाथ आगे बढ़ाए। लेकिन, केंद्र तक पहुंच मार्ग न होने के कारण संस्था ने भी हाथ पीछे खींच लिए।

पूर्व में कोटद्वार डिपों में होता था संचालित

वर्ष–2023 में पर्यटक कार्यालय का संचालन उत्तराखंड परिवहन निगम के कोटद्वार डिपों के एक कक्ष में होता था। जिससे पर्यटकों को इसका बेहतर लाभ मिल रहा था। लेकिन, 20 मार्च 2023 को यह कार्यालय मोटरनगर में शिफ्ट कर दिया गया।

कोटद्वार बस अड्डे से मोटर नगर की दूरी भी करीब तीन किलोमीटर की है। यही नहीं कार्यालय तक पहुंचने के लिए भी काफी घूमकर जाना पड़ता है। साथ ही झाड़ियों के बीच छिपे कार्यालय को खोजना भी काफी मुश्किल हो जाता है।

विचार मंच ने किया सीजफायर का स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भारत व पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा का श्री नरेंद्र भाई मोदी विचार मंच ने स्वागत किया है। कहा कि कुछ दिन पूर्व भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया था। वक्तओं ने कहा कि कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान की सेना को करारा जबाब दिया है, लेकिन पाकिस्तान के डीजीएमओ के सीज फायर के निवेदन को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मान लिया। विचार मंच के अध्यक्ष सीपी डोबरियाल ने कहा कि वर्तमान में भारत व पाकिस्तान युद्ध में भारत की तीनों सेनाओं ने नई तकनीकी का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान को झुकने पर मजबूर कर दिया। कहा कि भारतीय सेना के जवानों ने पाकिस्तान को मुंह तोड़ जबाब देते हुए पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया। कहा कि भारतीय सेना ने 1962,65 व 71 के युद्ध में भी पाकिस्तान को हराया था। कहा कि वर्तमान में पाकिस्तान आर्थिक रूप से कंगाल हो चुका है, जिसे विदेशों से कर्ज लेना पड़ रहा है। कहा कि सभी देशवासियों को भारतीय सेना पर गर्व होना चाहिए। इस मौके पर सीपी धूलिया, जीडी जखमोला, गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, हरीश खुगशाल, अनूप बिष्ट मौजूद रहे।

बिपिन चौहान बने अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के दुगड्डा इकाई के त्रैवार्षिक सम्मेलन के द्वितीय सत्र में संघ की नई ब्लाक कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में निर्विरोध रूप से बिपिन चौहान को अध्यक्ष, देवेंद्र सिंह रावत को उपाध्यक्ष, उमा बुड़ाकोटी को कोषाध्यक्ष और सुदर्शन प्रसाद जुयाल को संयुक्त मंत्री चुना गया। ब्लाक मंत्री के लिए रवींद्र मंजेड़ा व जागृति कुकरेती ने दावेदारी की, जिस कारण मतदान किया गया। मतदान के दौरान रवींद्र मंजेड़ा को 76 और जागृति कुकरेती को 21 मत मिले। जिलाध्यक्ष भगत सिंह भंडारी ने रवींद्र मंजेड़ा को विजेता घोषित किया। साथ ही नई कार्यकारिणी को ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

गुलदार की धमक, दहशत में लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नगर पंचायत क्षेत्र में गुलदार का खौफ बढ़ता जा रहा है। यहां गली मोहल्लों में गुलदार की चहल कदमी से लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। जंगलों से निकलकर अब गुलदार लगातार आबादी की ओर रख कर रहे हैं। बीते माह को स्थानीय निवासी जितेंद्र की गाय के बछड़े को निवाला बना चुका है। घटना के बाद से क्षेत्र वालों में डर का माहौल है। गुलदार की मौजूदगी से सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों व बुजुर्गों को हो रही है। डर की वजह से वे अपने घर की देहरी गली मोहल्लों में जाने से कतरा रहे हैं। उधर वन विभाग की ओर से ग्रामीणों को लगातार जागरूक किया जा रहा है, लेकिन गुलदार की चहल कदमी कम होने का नाम नहीं ले रही।क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य पुष्पेंद्र राणा ने लैंसडौन वन विभाग रेंजर राकेश चंद्र से फोन पर वार्ता कर जल्द गश्त करने के साथ ही पिंजरा लगाने की मांग की।

अलर्ट पर पौड़ी पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः चारधाम यात्रा और वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्थाओं के लिए पौड़ी पुलिस अलर्ट हो गई। पुलिस द्वारा पैरामिलिट्री फोर्स के साथ संयुक्त रूप से जनपद में लगातार सत्यापन अभियान चलाकर बाहरी और संदिग्ध व्यक्तियों की डिटेल खंगाली जा रही है। साथ ही चारधाम यात्रा के लिए जनपद में सभी चेक पोस्टों और बैरियरों पर वाहनों व व्यक्तियों की सघनता से चेकिंग की जा रही है। एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि होटल, ढाबों, रेस्टोरेन्टों, धर्मशालाओं, बस अड्डों आदि स्थानों में पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रभावी चेकिंग कर संदिग्धों और अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

नरंकार देवता का वार्षिक अनुष्ठान 20 मई को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः जयहरीखाल के अंतर्गत जय भोगू अग्री कौली गंगा (नरंकार देवता) मंदिर समिति के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नरंकार देवता का वार्षिक अनुष्ठान व भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

मंदिर समिति के सचिव भरत सिंह ने बताया कि ताड़केश्वर धाम के समीप 20 मई मंगलवार को पौराणिक सिद्धपीठ जय भोगू अग्री कौली गंगा मंदिर में नरंकार देवता का वार्षिक अनुष्ठान व भंडारे का कार्यक्रम का आयोजित किया जाएगा। इस दौरान कौली गंगा मंदिर की स्मारिका धरोहर व यूट्यूब चैनल कौली गंगा भक्तिधारा का विमोचन किया जाएगा। कहा कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुयश रावत व विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि मंडी समिति के निवर्तमान अध्यक्ष सुमन कोटनाला मुख्य रूप से मौजूद रहेगें।

विद्यार्थियों की घटती संख्या पर जताई चिंता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ दुगड्डा की ओर से त्रैवार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों की घटती छात्र संख्या पर चिंता जताई गई।

पदमपुर स्थित एक बारातघर में आयोजित गोष्ठी का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या तेजी से घट रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में कई विद्यालय छात्रविहीन होते जा रहे हैं। कहा कि सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या को बढ़ाने के लिए शिक्षकों को प्रयास करने होंगे। साथ ही शिक्षकों को अभिभावकों से मुलाकात कर उन्हें अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों भेजने के लिए प्रेरित करना होगा। कार्यक्रम में विकासखंड के विभिन्न हाईस्कूलों से बीते दो वर्षों में सेवानिवृत्त हुए 13 शिक्षकों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर इंटर कालेज

कोटद्वार में आयोजित जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की ओर से आयोजित गोष्ठी के दौरान मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न देते पदाधिकारी

कोटद्वार के प्रधानाचार्य मोहन सिंह रावत, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष दीवान सिंह रावत, प्रांतीय सलाहकार कुंवर सिंह राणा, जिला अध्यक्ष भगत सिंह भंडारी, जिला उपाध्यक्ष भोपाल सिंह रावत, जिला मंत्री मंत्री मुकेश काला, कोषाध्यक्ष पवन देवलियाल, नागेंद्र प्रसाद डोबरियाल, संदीप गुसाईं, नफीस अहमद, सुरदीप गुसाईं, बिपिन चौहान, उमा बुड़ाकोटी, उमेश शर्मा, अरुण कुकरेती, ओम प्रकाश तिवारी, नंद किशोर कुकरेती, जयपाल भंडारी, अनिल बलूनी, शोभा उनियाल, संतोष भंडारी, जागृति कुकरेती आदि मौजूद रहे।

वनों को आग से बचाने के लिए आगे आएं ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः वनों की सुरक्षा के लिए लैंसडौन वन प्रभाग कोटद्वार व भूमि वन प्रभाग की ओर से गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों से वनों को आग से बचाने के लिए आगे आने की अपील की गई। कहा कि जंगलों की सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है।

आयोजित कार्यशाला में पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्रालय भारत सरकार के सांतोष तिवार, निलीमा शाह, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आदित्य कुमार, गृह मंत्रालय से पहुंचे वेगडेसन ने अधिकारियों से वन क्षेत्र से संबंधित जानकारी ली। कहा कि वनों की सुरक्षा के लिए हम सभी को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। जंगल में कहीं भी आग की घटना होने पर तुरंत उसपर काबू पाने का प्रयास होना चाहिए। इस दौरान वन संरक्षक शिवालिक वृत्त राजीवन धीमान ने वन पंचायत सरपंच, प्रधान, फायर

आयोजित गोष्ठी में संबोधित करते अधिकारी

वाचरां व फील्ड स्टाफ से वार्ता की। साथ ही अपर प्रमुख वन संरक्षक वनाग्नि एवं आपदा प्रबंधन निशांत शर्मा ने वन प्रभाग कोटद्वार के अंतर्गत तिलवाढांग व लालपानी क्रू–स्टेशन का निरीक्षण किया। साथ ही कर्मचारियों व फायर वाचरों को फारेस्ट फायर नियंत्रण व प्रबंधन के लिए निर्देश दिए गए। इस मौके पर अपर प्रमुख वन संरक्षक निशांत वर्मा, आकाश गंगवार, स्पश काला, पूजा पयाल, रजत कपित, विपिन चंद्र जोशी, उमेश जोशी, बीडी जोशी आदि मौजूद रहे।

कांगुड़ा धाम में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने को डीएम गंभीर

नई टिहरी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने थौलधार ब्लॉक स्थित श्री कांगुड़ा नागराजा धाम का निरीक्षण किया। वहां मंदिर सौंदर्यीकरण सहित अन्य कार्यों को लेकर उन्होंने पर्यटन विभाग और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्लॉन और ड्राइंग के अनुसार कार्य करें, जिससे इस धाम में तीर्थाटन और पर्यटन को और ज्यादा बढ़ावा मिल सके। डीएम मयूर ने कांगुड़ा धाम पहुंचकर मंदिर में किए जाने वाले कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। कहा कि सीएम घोषणा के अंतर्गत यहां पर प्लॉन बनाकर कार्य किया जाना है। यह मंदिर लोकेशन पर है। मंदिर के सौंदर्यीकरण के बाद यहां तीर्थाटन के साथ–साथ पर्यटन को भी पंख लगेंगे। कहा कि इसके लिए सीएम स्वयं निगरानी कर रहे हैं। जिला पर्यटन अधिकारी एसएस राणा ने बताया कि कांगुड़ा धाम में विभिन्न कार्यों के लिए करीब 95 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत हुई है।

साइन बोर्ड हटाने को फिर गुस्साए सेमी–भैंसारी के लोग

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर सेमी–भैंसारी में कालीमठ बैड पर लगा साइन बोर्ड हटाने और यात्रा को पूर्व की भांति चलाने की मांग को लेकर सेमी–भैंसारी के व्यापारी रविवार को भी विरोध करने पहुंचे।

केदारनाथ हाईवे पर उन्होंने विरोध करते हुए व्यवस्था पूर्व की भांति करने की मांग की। इधर, पुलिस के साइन बोर्ड हटाने और छोटे वाहनों की आवाजाही कराने के बाद ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ। बता दें कि बीते कई दिनों से सेमी–भैंसारी के स्थानीय लोग यातायात डाइवर्ट करने और कालीमठ बैंड पर लगे साइन बोर्ड को हटाने की मांग को लेकर आंदोलित थे। पूर्व में भी शुक्रवार को उन्होंने केदारनाथ हाईवे पर कालीमठ बैंड में सांकेतिक धरना दिया जबकि रविवार को भी लोगों ने यहां विरोध व्यक्त किया। कुछ देर धरना देकर यातायात पूर्व की भांति करने और यहां लगे साइन बोर्ड हटाने की मांग की। इस दौरान स्थानीय महिलाओं ने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च कर सेमी–भैंसारी में हाईवे को बेहतर किया गया किंतु इसके बाद भी यात्रा को कालीमठ बैंड से डायवर्ट किया जा रहा है जिससे स्थानीय लोगों के होटल–लॉज खाली रह रहे हैं, उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

जबकि कालीमठ बैंड पर पुलिस ने यात्रियों को पुराने मार्ग पर न जाने का साइन बोर्ड भी लगाया है। स्थानीय लोगों के विरोध को देखते हुए गुप्तकाशी थाने से पुलिस मौके पर पहुंची जहां ग्रामीणों को साइन बोर्ड हटाने और छोटे वाहनों की आवाजाही पूर्व की भांति कराने का भरोसा दिया, जिसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ।

यात्रा मार्गों पर यात्रियों को मिले बेहतर स्वास्थ्य सुविधाः टम्टा

नई टिहरी। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. सुनीता टम्टा ने भिलंगना ब्लॉक के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्था परखी। उन्होंने कहा कि पूरा टिहरी जिला चारधाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। ऐसे में स्थानीय लोगों सहित यात्रियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं अस्पतालों में होनी जरूरी है।

कहा कि सरकार अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सक और सुविधाएं उपलब्ध कर रही हैं। रविवार को डीजी हेल्थ डॉ. सुनीता टम्टा ने स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाए जाने के उद्देश्य से चारधाम यात्रा सीजन, डेंगू व चिकनगुनिया, मलेरिया आदि रोगों से संबंधित रोकथाम, विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन से लेकर अटल आयुष्मान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित कार्यक्रमों की जानकारी ली।

डीजी ने भिलंगना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिलखी, सीएचसी बेलेश्वर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बूढ़ाकेदार, आयुष्मान आरोग्य मंदिर थाती बूढ़ाकेदार का निरीक्षण किया। सीएमओ डॉ. श्याम विजय को निर्देश दिए कि अस्पतालों में सफाई, सुविधाओं और अन्य सभी चीजों की वह स्वयं भी निगरानी करते रहें। घनसाली और चमियाला चारधाम यात्रा के मुख्य बाजार हैं। ऐसे में इन क्षेत्र के अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में दवा,इंजेक्शन आदि का भंडारण कर लें। चमियाला मे नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद सिंह राणा ने उन्हें सीएचसी बेलेश्वर में एक्स रे, अल्ट्रासाउंड मशीन के लिए तकनीशियन, रेडियोलॉजिस्ट सहित विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की मांग की।

लोक अदालत में 406 वादों का किया निस्तारण

नई टिहरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 406 वादों का निस्तारण 1 करोड़ 79 लाख 44 हजार 495 रूपये की धनराशि के सुलह समझौते पर किए गए। जिनमें फौजदारी, राजस्व, चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, विद्युत, बैंक ऋण वसूली के मामले शामिल हैं। प्राधिकरण के सचिव आलोक राम त्रिपाठी ने बताया कि बीते शनिवार को जिला न्यायाधीश योगेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में गठित 8 बेंचों में लोक अदालत आयोजित की गई। जिला जज गुप्ता की बेंच ने 13 वादों का निस्तारण 27 लाख 21 हजार 260 रुपये धनराशि के सुलह समझौते पर किए गए। वहीं कुटुंब न्यायालय अब्दुल कय्यूम की बेंच ने 11 वादों का निस्तारण किया।

बेहड़ ने विकास योजनाओं का किया लोकार्पण

रुद्रपुर। किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ ने रविवार को पंतनगर क्षेत्र में लगभग 35 लाख रुपये की लागत से विधायक निधि से निर्मित विकास कार्यों का नारियल फोड़कर और फीता काटकर लोकार्पण किया। बेहड़ का स्थानीय नागरिकों ने विभिन्न बूथों पर फूल मालाओं से स्वागत किया और क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों के लिए आभार प्रकट किया। विकास कार्यों में एन ब्लॉक में 4.52 लाख की लागत से बनी सीसी सड़क, एन ब्लॉक में ही 4.51 लाख से बने लेबर शेड एवं झोपड़ी क्षेत्र में शौचालय एवं स्नान गृह, इंदिरा कॉलोनी में 17.29 लाख से निर्मित सीसी सड़क, एस ब्लॉक पंतनगर में 3.98 लाख से बनी सीसी सड़क शामिल हैं। विधायक बेहड़ ने कहा कि पंतनगर क्षेत्र पंतनगर

विश्वविद्यालय के अधीन आता है, जिस कारण यहां की आंतरिक सड़कों का निर्माण कार्य केवल विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की आर्थिक स्थिति और सरकारों की उपेक्षा के चलते बीते दो दशकों से क्षेत्र की सड़कों का निर्माण कार्य नहीं हो सका है। उन्होंने यह मुद्दा विधानसभा सत्र में भी प्रमुखता से उठाया। बताया कि किच्छा विधानसभा से मुख्यमंत्री को भेजी गई 10 अहम योजनाओं में से एक योजना पंतनगर की आंतरिक सड़कों के निर्माण से संबंधित है, जिसकी वित्तीय स्वीकृति शीघ्र मिल सकती है। फिलहाल, वे अपनी विधायक निधि से जितने भी कार्य संभव हैं, उन्हें पूरा करा रहे हैं। इस दौरान इंटक यूनियन के जिलाध्यक्ष जनार्दन सिंह, राजेश प्रताप सिंह, जगदीश कुमार, राजेश कुमार, लवकुश शर्मा, गुरप्रीत, मुस्लिम अंसारी, महेश राम, हरीओम चौहान, हरिकेश, राजेंद्र, दानिश मलिक आदि रहे।

डीएम ने हाईवे से मलबा हटाने के लिए सख्त निर्देश

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित ने ऋषिकेश–गंगोत्री हाईवे का निरीक्षण किया। उन्होंने चंबा से कंडीसौड़ तक हाईवे पर मलबा हटाने, सुरक्षा के इंतजाम करने और अन्य जरूरी निर्देश दिए। कहा कि एक सप्ताह के भीतर वह हाईवे का निरीक्षण कर कार्यों का अपडेट लेंगे। उन्होंने बीआरओ और संबंधित निर्माण कंपनियों को निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान कोई व्यवधान न आए इसके लिए सभी जिम्मेदारी से कार्य करें। डीएम मयूर ने एनएच–34 के निरीक्षण के दौरान धारकोट, दिखोलगांव और बौर गांव के पास जगह–जगह गिरे मलबे को तुरंत हटाने के निर्देश दिए। कहा कि मलबे केवल डंपिंग जोन में ही डाला जाए। चंबा चौराहे से ऋषिकेश मोटर मार्ग पर सड़क के गड्ढों को रात में भरने के निर्देश दिए गए। बीआरओ के अधिकारियों ने बताया कि कई बार गड्ढों के भरान का कार्य किया गया, लेकिन आसपास स्थित होटल व्यवसायियों द्वारा पानी सड़क पर गिराने के कारण यह स्थिति लगातार बन रही है। यात्रा रूट पर कई स्थानों पर गिरे पत्थरों के लिए लगातार सफाई करने के निर्देश भी डीएम ने दिए। उन्होंने कांडीखाल में सड़क चौड़ीकरण कार्य में आए मलबे को समय–समय पर हटाने के लिए कार्यदायी संस्था को कार्य करने को कहा। वहीं डाबरी के क्षतिग्रस्त मार्ग का सही ट्रीटमेंट करने के लिए प्लान तैयार कर कार्य करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने आगामी बरसात के सीजन के मध्यनजर बुल्डोजर आदि की समुचित व्यवस्था पूर्व से ही करने के निर्देश बीआरओ को दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर कार्य प्रगति पर हो उन स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रखें, ताकि कोई भी व्यक्ति इससे प्रभावित न हो। इस मौके पर जिला पर्यटन अधिकारी सोबत सिंह राणा, बीआरओ के एई एसएस रावत मौजूद रहे।

लेखक गांव में नागदेवता मंदिर का जीर्णोद्धार शुरू

ऋषिकेश। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि लेखक गांव में स्थापित नागदेवता मंदिर क्षेत्र की सांस्कृतिक आत्म का प्रतीक है। हमारी देवत्व की संस्कृति पूरे समाज को सुसंस्कृत और सभ्य बनाती है। यह बातें उन्होंने रविवार को लेखक गांव थानो में पौराणिक नागदेवता मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इस मौके पर पूजा–अर्चना भी किया। कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है, यहां हर स्थान पर देवी–देवताओं का निवास है। इसलिए हम सबका नैतिक दायित्व बनता है कि हम देवभूमि की परंपरा को आगे बढ़ाएं, हमारी देवत्व की संस्कृति पूरे समाज को सुसंस्कृत और सभ्य बनाती है। अध्यात्म, हिमालय, गंगा और स्वच्छ वातावरण में लेखक अनेकों रचनाएं, साहित्य और शोध लिख सकता है और यह सब लेखक गांव में समाहित है। आज यह मंदिर उस दिशा में बढ़ता हुआ कदम है। मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेश नैथानी ने कहा कि जीव और जीवन को सिर्फ और सिर्फ अध्यात्म के माध्यम से ही समझा जा सकता है।

पर्यावरण मित्र ने यात्री का बैग लौटाया

चमोली। बदरीनाथ में स्वच्छता कार्य में लगे पर्यावरण मित्र ने ईमानदारी की मिसाल कायम की है। पर्यावरण सूपरवाइजर सुशील कुमार को बदरीनाथ तप्तकुंड के निकट अपनी ड्यूटी के दौरान एक लावारिस बैग पड़ा मिला। बैग को खोलकर देखने पर सुशील कुमार दंग रह गए, क्योंकि उसमें तीन मोबाइल फोन, अच्छी खासी नगदी और गहने भरे हुए थे। सुशील कुमार ने तत्काल आसपास बैग के मालिक की तलाश शुरू की। काफी देर तक ढूंढने और पूछताछ करने के बाद भी जब मालिक का कुछ पता नहीं चला, तो उन्होंने बिना देर किए इसकी सूचना थानाध्यक्ष नवनीत भंडारी को दी।

जल संरक्षण के लिए कदम उठाना जरूरीः शाह

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के ग्राम पंचायत कोठार में जल संरक्षण अभियान के तहत जल उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों से जल संरक्षण के लिए गांव के नाले, धारे और गदेरों के संरक्षण के लिए शासन–प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान किया गया। कोठार गांव में विधायक शक्ति लाल शाह और सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने जल उत्सव का शुभारंभ किया। जिले के विभिन्न ब्लॉक में चयनित ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के कार्य किए जाने हैं। सबसे पहले कोठार गांव में ग्रामीणों के पैतृक जल स्रोत की पूजा अर्चना कर गांव के समीप वृक्षारोपण किया। विधायक शाह ने कहा कि बिना पानी के जीवन असंभव है। जिस तरह से वैज्ञानिकों ने हमारी जीवनदायिनी नदियों गंगा, यमुना, शारदा आदि नदियों के लगातार गिरते जल स्तर पर चिंता जताई है, वह खतरनाक भविष्य के संकेत हैं। प्रमुख ग्लेशियर लगातार खिसक रहे हैं, ऐसे में सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है। कहा कि जल उत्सव भिलंगना के 35 गांवों में आयोजित किया जाएगा। सीडीओ डॉ. त्रिपाठी ने जल उत्सव की रूपरेखा बताई। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। कहा कि सड़क समस्या का जल्द हल किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

रिटायरमेंट के बाद भी नहीं हुआ बकाया भुगतान

देहरादून। उत्तराखंड सेवानिवृत्त पैक्स कैडर सचिव कल्याण परिषद ने रिटायरमेंट के बाद भी बकाया एरियर का भुगतान न होने पर नाराजगी जताई। सातवें वेतनमान के बकाया का भुगतान न होने के लिए शासन स्तर पर बरती जा रही लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। परिषद अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह रावत ने बकाया भुगतान लटकाने पर विरोध जताया। लक्ष्मण सिंह रावत ने कहा कि रिटायरमेंट के बाद भी साधन सचिवों को भटकना पड़ रहा है। सातवें वेतनमान के साथ ही कई लोगों को अभी पांचवे, छठे वेतनमान के बकाया एरियर का अभी तक भुगतान नहीं हुआ है। भुगतान के लिए लंबे समय से मांग की जा रही है। तत्काल सातवें वेतनमान के अलावा पांचवें और छठे वेतनमान के बकाया एरियर का भी भुगतान किया जाए। जल्द बकाया एरियर का भुगतान न होने पर आंदोलन को विवश होना होगा। कहा कि अभी तक सेवानिवृत्ति से जुड़े अन्य बकायों का भुगतान नहीं हो पाया है। पीएफ पर भी कम ब्याज का भुगतान किया गया। नौकरी के दौरान भी अफसरों ने परेशान किया और रिटायरमेंट के बाद भी शोषण किया जा रहा है। इसका जोरदार विरोध होगा।

दुकान पर कब्जे को लेकर विवाद, कोर्ट के आदेश पर केस

देहरादून। रायपुर थाना क्षेत्र में दुकान पर कब्जे को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर रायपुर थाना पुलिस ने धारा 175(3) बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज किया है। रोशन काला ने कोर्ट में अपील करते हुए कहा कि उनका अपर तुनवाला में विधाता मेडिकोज नाम से मेडिकल स्टोर है। इसके बगल में उनकी दूसरी दुकान जिसे वे गोदाम के रूप में इस्तेमाल करते हैं। उसी के पास दिनेश रतूड़ी की पूजा स्टोर की दुकान है। रोशन ने आरोप लगाया कि दिनेश रतूड़ी उनकी गोदाम वाली दुकान को जबरन अपना बताकर हड़पने की कोशिश कर रहे हैं और इसके लिए अक्सर उनके साथ झगड़ा, गाली–गलौच और दुकान खाली करने की धमकियां दे रहे हैं।

आरोप लगाया कि बीते 15 फरवरी को सुबह 11 बजे दिनेश रतूड़ी ने रोशन की दुकान का ताला तोड़ने का प्रयास किया। रोशन ने इसका विरोध किया तो दिनेश ने गाली–गलौच और हाथापाई की कोशिश की। रोशन ने इस घटना का वीडियो और फोटो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया। उन्होंने रायपुर थाना और एसएसपी कार्यालय में शिकायत की। पुलिस से कोई कार्रवाई न होने पर रोशन ने बीते एक मार्च कोर्ट में अपील की। कोर्ट ने मामले में केस दर्ज करने का आदेश दिया। रायपुर थानाध्यक्ष प्रदीप नेगी ने बताया कि मामले में आरोपी दिनेश के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

जयपाल को ग्लोबल सोशलिस्ट अवार्ड

देहरादून। भारतीय दलित साहित्य अकादमी के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह को फरीदाबाद में ग्लोबल सोशलिस्ट अवार्ड दिया गया। मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड फरीदाबाद द्वारा दिया गया यह सम्मान उन्हें सामाजिक कार्य, समानता, सामाजिक न्याय, सामाजिक नवाचार व सामाजिक प्रभाव के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मेजिशियन डॉ.सीपी यादव के हाथों प्रदान किया गया। डॉ. जयपाल सिंह पिछले 22 सालों से उत्तराखंड में भारतीय दलित साहित्य अकादमी के प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखंड हैं। वे मसूरी से सेवानिवृत्त उप कोषाधिकारी रहे हैं। अकादमी के मंडलीय अध्यक्ष डॉ.सुरेन्द्र लाल आर्य, महासचिव डॉ सीएल भारती, डॉ. जसवंत लाल, मदनी लाल खनेडा, रमेश टम्टा, संजय कुमार, प्रमोद कुमार चौधरी, प्रो. संजय कुमार, मेघराज सिंह, हरिचंद निमेष ने उन्हें सम्मानित किए जाने पर खुशी जताई है।

आभार जताया

देहरादून। खलंगा वन क्षेत्र को वनाग्नि से बचाने के लिए प्रभावी उपाय करने पर संयुक्त नागरिक संगठन ने वनाधिकारियों को आभार जताया। सचिव सुशील त्यागी ने कहा कि खलंगा क्षेत्र में वनाग्नि रोकने के लिए प्रभावी योजना बनाने, युद्ध स्मारक की सुरक्षा, इस क्षेत्र को असामाजिक तत्वों से दूर रखने को लेकर बलभद्र खलंगा क्षेत्र विकास समिति और संयुक्त नागरिक संगठन के पदाधिकारी ने कुछ दिन पूर्व वनाधिकारियों से मिले थे। इसके बाद यहां वन बैरियर लगाने और वन चौकी बनाने की तैयारी चल रही है। समिति के कर्नल विक्रम सिंह थापा, संयुक्त नागिरक संगठन के ठाकुर शेर सिंह, क्षत्रिय चेतना मंच के सचिव रवि सिंह नेगी आदि ने वन विभाग के सकारात्मक कदमों का आभार व्यक्त किया है।

डीएम अध्यक्षता में हुई मलिन बस्तियों के सम्बन्ध में बैठक

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में मलिन बस्तियों के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने बिंदाल एवं रिस्पना किनारे रिवर फ्रंट पर बसी बस्तियों विस्थापन प्लान को नगर निगम, एमडीडीए के अधिकारियों को प्रभावी प्लान के तहत् कार्य करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्ष 2016 से पहले एवं बाद बसी बस्तियों का चिन्हिकरण करते हुए अद्यतन सूची बनाई जाए। उन्होंने मुख्य नगर आयुक्त को निर्देशित किया कि वर्ष 2016 से पहले तथा 2016 के बाद बसी बस्तियों का 05 दिन के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री का जनभाव सभी नागरिकों को दिलाना है क्वालिटी ऑफ लाईफ का मौलिक अधिकार है। जिसके परिपेक्ष्य में डीएम ने सम्बन्धित रेखीय विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजधानी को मलिन बस्तीमुक्त कराते हुए, बस्तियों का पुनर्वास किया करने लिए प्रभावी योजना पर कार्य करना है। इसके डीएम ने नगर निगम एवं एमडीडीए के अधिकारियों को मलिन बस्तियों में निवासरत परिवारों के विस्थापन के लिए भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री का जनभाव से प्रेरित डीएम ने स्लम एरियास को दुरूस्त करन की कवायद शुरू कर दी है डीएम ने कहा कि झुग्गी–झोपड़ी मुक्त, स्वच्छ जल; किफायती आवास; बुनियादी नागरिक समुदाय किसी भी महानगर का प्रधान सूचकांक होता हैं । उन्होंने कहा मा0 मुख्यमत्री के निर्देशन में सरकार द्वारा बस्तियों में निवासरत नागरिकों गुणवत्तापूर्वक जीवन जीने के लिए संकल्पबद्ध है तथा राजधानी को स्लम, आपद दरिद्रता विहीन लिए किसी को आगे आना ही है इसके लिए प्रशासन प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अधिकारियों को धरातल पर कार्यवाही शुरू करने सख्त निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त जीवन सभी का मौलिक अधिकार, मलिन बस्तिवासियों को सुरक्षित माहौल देने को प्रशासन प्रतिबद्ध है। डीएम ने कहा कि बहुत जल्द कराउंगा उच्च स्तरीय समीक्षा की जाएगी। उन्होंने सख्त शब्दो में कहा कि कानून के दाव पेंच, जमीन; कार्यक्षेत्र कोई बहाना नही सुनेंगे सम्बन्धित विभाग आ जाएं एक्शन मोड में आने को कहा हैं जिल को स्लममुक्त करने कमिटमेंट कर ली फिर तो यह होना तय है। उन्होंने कहा कि राजधानी को बनाना है स्लम फ्री, बस्तियों के पुनर्वास को प्रभावी कार्ययोजना बनेगी। उन्होंने एमएनए से 05 दिन के भीतर मांगी 2016 से पूर्व एवं बाद की बस्तियों की अद्यतन सूची तलब की है।

पुरानी पेंशन बहाली को सड़कों पर उतरने की तैयारी

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली को पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आन्दोलन ने सड़कों पर उतर आंदोलन की तैयारी तेज कर ली है।

एनएमओपीएस ने इसके लिए सभी कर्मचारियों से एकजुट होने का आह्वान किया। एनएमओपीएस अध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली होने तक आंदोलन जारी रहेंगे। नियमित रूप से चरणबद्ध तरीके से सरकारों पर दबाव बनाया जाएगा। एक मई से शुरू किए गए आंदोलन को अगस्त तक जारी रखा जाएगा। प्रदेश के हर जिले में कर्मचारियों को लामबंद किया जाएगा। नई पेंशन योजना के साथ ही यूनिफाईड पेंशन योजना के विरोध में आंदोलन होगा।

30 मई को तिलाडी शहीद दिवस के अवसर पर सभी जिला मुख्यालयों में कार्यक्रम आयोजित होंगे। बड़कोट, उत्तरकाशी में बड़े स्तर पर तिलाडी शहीद स्थल पर पेंशन समागम कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इसमें प्रान्तीय कार्यकारिणी और गढवाल मण्डल कार्यकारिणी भी शामिल होगी। 29 जून को सभी जिला मुख्यालयों में पुरानी पेंशन की बहाली को एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम आयोजित होंगे। जुलाई और अगस्त में सभी जिला कार्यकारिणी, ब्लॉक कार्यकारिणी सभी जनप्रतिनिधियों को पुरानी पेंशन की बहाली को ज्ञापन सौंपेंगे। साथ ही साथ सदस्यता अभियान चलाएंगे। कहा कि इसके लिए सभी कर्मचारियों को एकजुट करते हुए लामबंद किया जाएगा।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने किया एमडीडीए का पुतला दहन

ऋषिकेश। ऋषिकेश शहर में अवैध तरीके से बनाई जा रहीं बहुमंजिला इमारतों को लेकर एनएसयूआई ने आक्रोश जताया है। रविवार को एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने एमडीडीएम प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया और विभागीय अधिकारियों पर रसूखदारों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। हरिद्वार मार्ग पुरानी चुंगी के समीप प्रदर्शन करने के दौरान आक्रोशित एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने एमडीडीए का पुतला दहन किया। एनएसयूआई नेता मानव रावत ने कहा कि ऋषिकेश में लगातार हो रहे अवैध निर्माण पर मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण द्वारा पक्षपात पूर्ण रवैया आमजन को परेशानी और खास को राहत पहुंचा रहा है। ऋषिकेश नगर में मुख्य मार्ग हरिद्वार रोड पर गंगा तट के आस्था पथ के ऊपर बहुमंज़िला निर्माण लगातार जारी है। कई बार शिकायत करने के बाद भी प्राधिकरण की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कहा कि अगर एमडीडीए जल्द से जल्द नगर निगम के सामने, पुरानी चुंगी हरिद्वार रोड़, सांई घाट के सामने अवैध निर्मित काम्पलेक्स, उग्रसेन नगर सहित कई अन्य अवैध निर्माणों के खिलाफ कोई ठोस कार्यवाही नहीं करता है तो एनएसयूआई द्वारा देहरादून में एमडीडीए कार्यालय का घेराव किया जाएगा और आमरण अनशन किया जाएगा। एनएसयूआई इकाई उपाध्यक्ष अक्षय कुमार ने आरोप लगाते हुए कहा कि इन अवैध निर्माणों में एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी की सह है। एमडीडीए द्वारा रसूखदारों को अवैध निर्माण करने दिया जा रहा है, जो गलत है। बिना नक्शा पास किए ही जगह जगह बहुमंजिला इमारतें बन रही है। जब आम व्यक्ति अपना घर बनवाता है तो एमडीएम द्वारा रोक दिया जाता है, लेकिन रसूखदारों के निर्माण कार्य बिना मानकों के ही किए जा रहे हैं। प्रदर्शन करने वालों में कार्तिक कुशवाह, आशीष कटारिया, मयंक, अभिषेक, मोहित, राहुल, रोहित, विपिन, अतुल, राहुल, केशव, सूर्य, अभिषेक कुमार, राजा, लक्ष्मण कुमार, मधुर यादव, अमित शाह, राजेश शर्मा, सौरभ सिलस्वाल, गौरव कुमार, अशोक, अंकित, अंकेश, संदीप, विजय, राहुल, साकेत कुमार, सुरज, शोभित, वरुण, दीपक, सचिन, शिवम, रोशन आदि शामिल रहे।

शारीरिक परिवर्तन, पोषाहार और मासिक धर्म के प्रति किया जागरूक

ऋषिकेश, एम्स ऋषिकेश के सोशल आउटरीच सेल की ओर से स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें एम्स ऋषिकेश के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को युवा अवस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तन, पोषण और मासिक धर्म स्वच्छता आदि के प्रति जागरूक किया। एम्स के सोशल आउटरीच गतिविधियों के तहत भरत मंदिर इंटर कॉलेज और डीएसबी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की चिकित्सक डॉ. राजलक्ष्मी मुंधरा ने 13–19 वर्ष की आयु में लड़कियों के शरीर में होने वाले परिवर्तनों और माता–पिता और शिक्षकों के साथ किसी भी चिंता के बारे में कैसे संवाद करना है, इस बारे में बताया। उन्होंने मासिक धर्म चक्र से संबंधित प्रश्नों के बारे में भी बात की और मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के तरीकों के बारे में बताया। कन्वीनर एनएसआई–यूकेए डॉ. रश्मि मल्होत्रा ने किशोरावस्था में लड़कियों के लिए संतुलित आहार और खनिजों के महत्व पर जोर दिया।

प्रमोशन में जूनियर इंजीनियर संवर्ग की न हो अनदेखी

देहरादून। उत्तराखंड पावर जूनियर इंजीनियर्स एसोसिएशन ने अधिशासी अभियंता के खाली पदों पर जूनियर इंजीनियर संवर्ग के हितों को सुरक्षित रखने की मांग की। सहायक अभियंता पद पर वरिष्ठता निर्धारण के साथ अधिशासी अभियंता के खाली 40 पदों पर हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी प्रमोशन न होने पर नाराजगी जताई।

जल्द हाईकोर्ट के आदेश लागू न होने पर प्रदेश स्तर पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। एसोसिएशन के संरक्षक गुणानंद कोठियाल ने कहा कि यूपीसीएल में जेई संवर्ग के साथ अन्याय हो रहा है। ईई के पदों पर नौ साल पहले प्रमोशन होने थे। प्रमोशन के इंतजाम में कई इंजीनियर रिटायर हो चुके हैं। इसका उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। हाईकोर्ट ने भी यूपीसीएल मैनेजमेंट को तत्काल नियमों के अनुसार वरिष्ठता निर्धारण के साथ प्रमोशन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

इसके बाद भी प्रमोशन प्रक्रिया को उलझाया जा रहा है। कहा कि 30 जून 2009 में पदोन्नत हुए सहायक अभियंताओं को ईई पद पर प्रमोशन दिया जाना है। सवाल उठाते हुए कहा कि सीधी भर्ती के जिन एई ने जनवरी 2010 में यूपीसीएल में ज्वाइनिंग दी, उन्हें नौकरी में आने से पहले ही 2009 की वरिष्ठता कैसे दी जा सकती है। कहा कि हाईकोर्ट वरिष्ठता निर्धारण और प्रमोशन पर स्पष्ट आदेश कर चुका है। इसके बावजूद मामले को उलझाने को शासन स्तर पर कमेटी बनाई गई है। ये सीधे तौर पर जूनियर इंजीनियर्स संवर्ग का उत्पीड़न है। कहा कि नए जूनियर इंजीनियरों को रियायती बिजली के रूप में मिलने वाले टैरिफ का लाभ नहीं दिया जा रहा है। जबकि पुराने सभी कर्मचारी, पेंशनर्स को ये लाभ दिया जा रहा है। जल्द इस भेदभाव को समाप्त किया जाए। कहा कि राज्य में पुराने अधियाचन, भर्ती प्रस्ताव, विज्ञप्ति के आधार पर 2005 के बाद नियुक्त हुए कर्मचारियों को भी पुरानी पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। वहीं यूपीसीएल में सितंबर 2005 तक नियुक्त हुए कर्मचारियों को भी पुरानी पेंशन, जीपीएफ सुविधा का लाभ नहीं दिया जा रहा है। जल्द एक समान व्यवस्था लागू की जाए।

डिजिटल अरेस्ट के दो मामलों में लाखों की ठगी करने वाले गिरफ्तार

अल्मोड़ा। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए अल्मोड़ा पुलिस ने दो अलग–अलग मामलों में डिजिटल अरेस्ट कर बुजुर्गों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गुजरात से गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। एसएसपी अल्मोड़ा देवेंद्र पींचा के निर्देशन में गठित पुलिस टीमों ने ये कार्रवाई की। पहला मामला कोतवाली अल्मोड़ा क्षेत्र से जुड़ा है, जहां दो बुजुर्ग भाई–बहन को साजिशन वीडियो कॉल के जरिये 16 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में रखा गया और डर का माहौल बनाकर उनसे 75 लाख 73 हजार रुपये की ठगी की गई। पीड़ितों पूर्ण चंद्र जोशी और उनकी बहन भगवती पांडे ने 15 अप्रैल 2025 को थाने में तहरीर दी थी। मामले में एफआईआर संख्या 33/2025 धारा 318/318(4)/308(5)/61(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि ठगों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर पीड़ितों को बच्चों के अपहरण से जुड़ी गिरोह में नाम आने की बात कहकर मानसिक दबाव में रखा और उनके खातों से कुल आठ बार में लाखों की धनराशि अपने खातों में ट्रांसफर करवा ली। इस गंभीर मामले में अल्मोड़ा पुलिस की टीम ने सर्विलांस के जरिये कड़ी मेहनत के बाद 9 मई को गुजरात के मोरवी जिले से जुनेजा दिलावर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जुनेजा दिलावर पुत्र मोहम्मद भाई, निवासी महेन्द्र पारा, मोरवी, राजकोट, गुजरात के रूप में हुई है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

इसी प्रकार दूसरा मामला लमगड़ा थाना क्षेत्र का है, जहां बर्गला निवासी जीवन सिंह मेहता को 13 से 17 जनवरी 2025 तक डिजिटल अरेस्ट में रखा गया और उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देते पीड़ित से तीन किस्तों में 7 लाख 20 हजार रुपये की राशि ठगों के बताए गए खातों में जमा करवाई गई। पीड़ित ने जब ठगों से संपर्क करने की कोशिश की और कोई जवाब नहीं मिला तो 21 फरवरी को थाने में तहरीर दी, जिस पर थाना लमगड़ा में एफआईआर संख्या 3/2025 धारा 318(4) 61(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज हुआ। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को खरगौन, मध्य प्रदेश से गिरफ्तार कर चुकी थी। वहीं, गिरोह के मुख्य साजिशकर्ता मंडलिया निशित को 8 मई को जामनगर, गुजरात से गिरफ्तार किया गया। निशित ने ही अपने अन्य साथियों को ठगी में शामिल किया था और बैंक खातों की व्यवस्था कराई थी। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मंडलिया निशित पुत्र जयेश भाई, निवासी न्यू आरम कॉलोनी, सरुसैक्शन रोड, जामनगर, गुजरात के रूप में की गई है। यहाँ पुलिस टीम में एसआई दिनेश परिहार, एसआई धरम सिंह, कांस्टेबल परवेज अली, हेमचन्द्र और साइबर सेल टीम शामिल रहे।

मातृत्व दिवस पर बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां दी

विकासनगर। लाइन जीवनगढ़ स्थित सेपियंस स्कूल में रविवार को नौनिहालों और अभिभावकों ने मिलकर मातृ दिवस मनाया। समारोह में नर्सरी से कक्षा एक तक के बच्चों ने भाग लिया। समारोह की शुरुआत कक्षा एक के नौनिहालों की मनमोहक प्रस्तुति से हुई। इसके बाद नर्सरी और एलकेजी के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी लोगों का मन मोह लिया। कक्षा एलकेजी और यूकेजी के बच्चों ने भी अपने माता–पिता को समर्पित करते हुए गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किए। कक्षा यूकेजी के बच्चों ने ऐरोबिक्स भी प्रस्तुत किया गया। अभिभावकों के मनोरंजन के लिए भी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सभी अभिभावकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। अभिभावकों को विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी अभिभावकों को मातृत्व दिवस के शुभकामना कार्ड वितरित किए गए।

सेलाकुई में खोला जाए बालिका इंटर कॉलेज

विकासनगर। सरकार के सब पढ़ें, सब बढ़ें और बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ के बड़े–बड़े स्लोगनों में किए जाने वाले दावे औद्योगिक क्षेत्र सेलाकुई में हवा हो रहे हैं। यहां के एकमात्र राजकीय इंटर कॉलेज में कक्षा 11 में प्रवेश नहीं मिलने से छात्र–छात्राएं दर–दर भटक रहे हैं। विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्थानीय जनता लंबे समय से बालिका इंटर कॉलेज खोलने की मांग कर रही है। औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण लगातार बढ़ रही आबादी से सेलाकुई कस्बे पर जनसंख्या का दबाव बढ़ रहा है। इसका सीधा असर विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। राजकीय अटल उत्कृष्ट इंटरमीडिएट कॉलेज सेलाकुई कक्षा नौ में दो सौ से अधिक विद्यार्थी प्रवेश ले चुके हैं। जबकि कक्षा 11 में भी इतने ही विद्यार्थियों का प्रवेश हो चुका है। इससे अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश देना विद्यालय प्रबंधन के लिए भी संभव नहीं हो रहा है। लिहाजा प्रवेश से वंचित छात्र–छात्राएं देहरादून के सरकारी विद्यालयों में प्रवेश के लिए चक्कर काट रहे हैं। जबकि गरीब तबके के छात्र–छात्राओं पर शिक्षा से वंचित रहने का खतरा मंडरा रहा है। लिहाजा विद्यार्थियों की संख्या को देखते हुए सेलाकुई में बालिका इंटर कॉलेज खोले जाने की मांग जनता लंबे समय से कर रही है। नगर पंचायत सभासद अनिल नौटियाल, विजयपाल बर्त्वाल, जयप्रकाश बेंजवाल, दिनेश राणा, राजकुमार ने बताया कि बालिका इंटर कॉलेज के लिए खंड शिक्षा अधिकारी को काफी समय पहले ज्ञापन भी सौंपा गया था। दो साल पहले शिक्षा मंत्री ने भी बालिका इंटर कॉलेज स्वीकृत करने का आश्वासन दिया था। उधर विधायक सहदेव पुंडीर ने बताया कि बालिका इंटर कॉलेज खोलने के लिए जल्द ही शिक्षा मंत्री से आग्रह किया जाएगा।

लक्ष्मणझूला क्षेत्र में सुरक्षा को सड़कों पर पुलिस

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा और पर्यटक सीजन में ऋषिकेश में सैलानियों की भीड़ बढ़नी शुरू हो गई है। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पुलिस ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए सड़कों पर है, तो गंगा घाटों पर भी खतरनाक स्थानों पर स्नान से रोकने के लिए पुलिस की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं।

लाउडहेलर और अन्य माध्यमों से सैलानियों को चेतावनी भी जारी की जा रही है। रविवार को वीकेंड पर लक्ष्मणझूला थाना क्षेत्र की सड़कों पर पर्यटकों और यात्रियों को दबाव अधिक दिखा। नीलकंठ मोटर पर मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ते ही पुलिस ने जगह–जगह वाहनों को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई शुरू की। नीलकंठ धाम में भी श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को काबू में रखने के लिए परिसर और आसपास पुलिस कर्मी मुस्तैद दिखे। थाना क्षेत्र के गंगा घाटों पर पुलिस ने जनजागरूकता अभियान भी चलाया, जिसमें प्रतिबंधित घाटों और तटों पर पहुंचे पर्यटकों हटाया गया।

उन्हें यहां स्नान से जान का जोखिम होने की जानकारी दी गई। सुरक्षित घाटों से अवगत कराने के लिए वहीं स्नान के लिए भी कहा गया।

गुलदार की चहल कदमी पर वन विभाग ने लगाये कैमरे

उत्तरकाशी। नौगांव ब्लॉक के मुगरसंती रेंज में बढ़ रही गुलदार की चहलकदमी पर वन विभाग ने गश्त बढ़ाने के साथ ही कैमरे स्थापित कर दिए हैं। वहीं सड़क मार्ग से सटी झाड़ियों को भी कटवा दिया है। बता दें कि गत गुरुवार शाम को गुलदार ने बाइक सवार दो लोगों पर हमला कर दिया था। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। गुलदार की इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना था। स्थानीय लोगों ने विभाग से क्षेत्र में घूम रहे गुलदार को पकड़ने की मांग की थी। जिस पर वन विभाग ने कार्यवाही करते हुए वन कर्मियों की गश्त बढ़ा दी। वहीं गुलदार की चहलकदमी पर निगरानी रखने के लिए क्षेत्र में कैमरे स्थापित कर दिए।

हरबर्टपुर यात्री बस अड्डे पर धूप में परेशान रहे तीर्थयात्री

विकासनगर। हरबर्टपुर बस अड्डे पर बने चारधाम यात्रा संचालन केंद्र को शनिवार शाम तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से भारी नुकसान हुआ, जिससे रविवार को यात्री भी परेशान दिखे। धूप से बचने के लिए यात्रियों को पर्याप्त जगह नहीं मिली, जबकि खाने–पीने के सामान के लिए भी उन्हें इधर–उधर भटकना पड़ा। शनिवार देर शाम हरबर्टपुर और आसपास के क्षेत्र में तेज आंधी तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। तेज हवा चलने से बस अड्डे पर यात्रियों की सुविधा के लिए जर्मन हैंगर तकनीक से बनाया गया उच्च गुणवत्ता वाला पंडाल उखड़ गया। इसके साथ ही यात्रियों के भोजन के लिए बनाई गई कैंटीन भी ध्वस्त हो गई। पंडाल नहीं होने के कारण रविवार को यात्रियों को परेशानियों से रूबरू होना पड़ा। तेज धूप से बचने के लिए यात्री वाहनों से बाहर नहीं उतरे। बच्चे और बुजुर्ग खाने–पीने के सामान खरीदने के लिए इधर उधर भटकते रहे। पंडाल के उखड़ने से उसमें लगाया गया एलईडी स्क्रीन भी हटा दिया गया, जिससे यात्रियों को चारधाम के मौसम की जानकारी भी नहीं मिल पाई। पंडाल के पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण उसके दोबारा बनने में काफी समय लगने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारी जल्द ही पंडाल को खड़ा करने की बात कहते नजर आए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बनबसा की सीमा चौकी पर एस.एस.बी. अधिकारियों व जवानों से की मुलाकात

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को भारत–नेपाल सीमा पर स्थित 57 वाहिनी, सशस्त्र सीमा बनबसा का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने सीमा सुरक्षा बल (एस.एस.बी.) के अधिकारियों एवं जवानों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने एस.एस.बी. जवानों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि सीमाओं की सुरक्षा में तैनात हमारे जवान देश की शान हैं। उन्होंने कहा कि भारत–नेपाल सीमा पर सतर्कता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए राज्य सरकार, केंद्र सरकार एवं सुरक्षा एजेंसियों के साथ पूर्ण समन्वय में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सीमाएं, हमारे सुरक्षाबलों की सहायता से पूरी तरह अभेद हैं, और इनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री धामी ने सीमा चौकियों की अवस्थापना सुविधाओं, संचार व्यवस्था और जवानों के लिए उपलब्ध अन्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक सुधारों हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने माणा जैसे सीमावर्ती गांवों को "प्रथम गांव" की संज्ञा दी है, जो राष्ट्र की सीमाओं और संस्कृति की पहली पहचान हैं। इन गांवों और सीमाओं की रक्षा में जुटे सभी जवानों को उन्होंने धन्यवाद दिया।इस दौरान मुख्यमंत्री ने जवानों से वार्ता भी की, उनकी समस्याओं, अनुभवों और ज़मीनी परिस्थितियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की निंदा करते हुए हाल ही में हुए पहलगाम हमले को कायरतापूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इसका मुँहतोड़ जवाब हमारी सेना और सुरक्षाबलों ने दिया है। उन्होंने कहा कि इस समय देशवासियों ने सामूहिक एकता और राष्ट्रवाद का परिचय दिया है

मदरसा बोर्ड को अन्य बोर्ड के समकक्ष मान्यता दी जाए

विकासनगर। उत्तराखंड मदरसा शिक्षक संघ की ओर से मदरसों के छात्रों को अन्य बोर्ड के समकक्ष मान्यता दिए जाने की मांग की जा रही है। इस आशय का ज्ञापन उत्तराखंड मदरसा शिक्षक संघ ने मदरसा शिक्षा परिषद के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी को सौंपा है।

मदरसा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद इस्लाम ने बताया कि एक ओर सरकार मदरसों में तकनीकी और आधुनिक शिक्षा मुहैया कराने का दावा करते हुए गरीब मुस्लिम छात्र–छात्राओं को गुणवत्तापरक शिक्षा देने की बात कर रही है। वहीं, दूसरी ओर प्रदेश सरकार के शिक्षा विभाग के नियम कायदों के तहत ही मदरसे संचालित हो रहे मदरसों से मौलवी (हाईस्कूल) और आलिम (इंटरमीडिएट) की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को अन्य बोर्ड के समकक्ष मान्यता नहीं दी जा रही है, जिससे हजारों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो रहा है। मदरसों से हाईस्कूल, इंटरमीडिएट के समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद उन्हें अन्य बोर्ड के विद्यालयों में प्रवेश नहीं दिया जाता है, जिससे ये छात्र सरकारी नौकरी और उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। जबकि अधिकांश मदरसों में कंप्यूटर शिक्षा समेत अन्य सभी सामान्य विषयों की पढ़ाई होती है। शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मदरसा बोर्ड से उत्तीर्ण छात्रों को भी समकक्ष मान्यता दी जानी चाहिए जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की भावना को बल मिल सके।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338